हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 282, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 अप्रैल, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

2017 के पहले चयन आयोगों पर उठते थे सवाल युवाओं को करना पड़ता था आंदोलन : मुख्यमंत्री

सरकार की कार्यपद्धति ने यूपी की छवि पर लगे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले चयन आयोगों पर सवाल उठते थे, युवाओं को आंदोलन करना पड़ता था। चयन प्रक्रिया के पारदर्शी न होने की वजह से युवाओं को धरना-प्रदर्शन और आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ता था। भाई-भतीजावाद का बोलबाला था। पैसे का लेनदेन होता था। कुछ लोगों के घरों से सूची बन कर जाती थी, जो योग्य नहीं होते थे उनको आयोग का अध्यक्ष बनाया जाता था। उन्होंने कहा कि आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि आपने अपनी नौकरी के लिए इस सरकार के समय आवेदन किया, जिसमें पूरी ईमानदारी के साथ चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। किसी भी स्तर पर सिफारिश की आवश्यकता महसूस नहीं हुई।

यूपी में कार्य करना गर्व की बात- सीएम योगी ने बुधवार को मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने 13 से ज्यादा विभागों के चयनित हुए 795 अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि उत्तर प्रदेश में कार्य करना देश के किसी भी अधिकारी या कार्मिक के लिये गर्व की बात है। ये मान्यता है कि जिस अधिकारी या कार्मिक ने उत्तर प्रदेश के अंदर ईमानदारी से कार्य कर लिए वह देश और दुनिया के अंदर कहीं भी सफलता के नये झंडे गाड़ सकता है। यहां कार्य करने वाले कार्मिकों के बारे में यह धारणा इसलिए है क्योंकि यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है।

सरकार की कार्यपद्धति ने यूपी की छवि पर लगे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है- सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी के बीच में शासन की योजनाओं को पूरी पारदर्शी तरीके से सभी तक पहुंचना एक बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और उससे जुड़े हुए कार्मिक शासन और जनमानस के मध्य की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। जितनी तत्परता और ईमानदारी के साथ यह सेतु का कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है, शासन की छवि आम जनमानस के बीच उतनी ही अच्छी होती है। साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ आम जनमानस को उतनी ही तत्परता और पारदर्शी तरीके से मिलता हुआ दिखाई देता है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 में मैंने कहा था कि यदि किसी ने युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ किया तो उसको जेल के चक्कर काटने पड़ जाएंगे। उसे इस प्रकार की स्थिति में पहुंचाएंगे कि उसके परिवार का कोई भी व्यक्ति शासन की सेवाओं में आने का सपना नहीं देख पाएगा। आज सरकार की कार्यपद्धति ने यूपी की छवि पर लगे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है। सीएम योगी ने कहा कि विगत छह वर्ष के अंदर हमारी प्रशासनिक टीम ने शासन के साथ जनप्रतिनिधियों के साथ मिल कर के केंद्र और राज्य शासन की योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्य किया है और इसके परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। शासन और प्रशासन के कार्य से ही प्रदेश की धारणा बदलती है। जब आम जनमानस की धारणा बदली है तो देश और दुनिया में भी प्रदेश की छवि बदलने में समय नहीं लगता है।

32 हजार को मिल चुका है नियुक्ति पत्र- मिशन रोजगार के तहत योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरी से लगातार जोड़ रही है। सरकार पिछले छह वर्ष में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है। वहीं योगी 2.0 से अब तक की बात की जाए तो निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश सरकार 32 हजार 436 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र वितरित कर चुकी है।

बोले अभ्यर्थी- पारदर्शी तरीके से हुआ चयन- खाद्य एवं रसद विभाग में विपणन निरीक्षक के पद पर नियुक्त हुई बाराबंकी की नेहा वर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी होने की वजह से ही हम लोगों का चयन हो पाया है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी भी चयनित हो पाई हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपना कार्य पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से करूंगी। श्रम एवं सेवा योजन विभाग में चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्त हुए प्रतापगढ़ के डॉक्टर रवि सिंह ने कहा कि अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करूंगा।

पीएम मोदी ने मिशन अमृत सरोवर की तारीफ की, बोले- अमृत काल संकल्पों में नई ऊर्जा का संचार कर रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन अमृत सरोवर के तहत पिछले 11 महीनों में करीब 40,000 जलाशयों को विकसित करने की उपलब्धि की बुधवार को सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस गति से इस दिशा में काम किया जा रहा है, वह नई ऊर्जा का संचार करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले 11 महीनों में मिशन के तहत लगभग 40,000 जल निकायों का विकास किया गया है। योजना के तहत लक्ष्य का लगभग 80 प्रतिशत प्राप्त किया गया है। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक ट्वीट में कहा कि मिशन अमृत सरोवर अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, '40,000 से अधिक अमृत सरोवर राष्ट्र को समर्पित किए जा चुके हैं। 15 अगस्त, 2023 तक 50,000 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य है।' शेखावत के ट्वीट का जवाब देते हुए मोदी ने ट्विटर पर कहा, 'बहुत-बहुत बधाई! देश भर में जिस गति से 'अमृत सरोवर' का निर्माण हो रहा है, वह 'अमृत काल' के हमारे संकल्पों में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।'

मिशन का बड़ा उद्देश्य- प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल 24 अप्रैल को मिशन अमृत सरोवर की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य है कि देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और कायाकल्प हो सके। योजना के तहत विकसित किए जाने वाले अमृत सरोवर की कुल संख्या लगभग 50,000 है, जिसे इस साल 15 अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था।

अभी जेल में ही रहेंगे मनीष सिसोदिया, ED केस में कोर्ट ने 17 अप्रैल तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर आज बुधवार को ईडी की टीम ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। ताजा मामले में कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल, 2023 तक बढ़ा दी है। इससे पहले 22 मार्च को अदालत ने रिमांड की अवधि समाप्त होने पर सिसोदिया को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सिसोदिया इसके साथ ही सीबीआई मामले में भी न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। सिसोदिया की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता विवेक जैन ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। जहां तक रिश्वत लेने का मामला है तो सिसोदिया व उनके परिवार के किसी सदस्य के खाते में कोई पैसा नहीं आया है। यह नीति कई विभागों के साथ उपराज्यपाल के पास और हर स्तर पर मंजूर हुई। विवेक जैन ने कहा कि न तो कोई आरोप है और न ही ऐसा साक्ष्य है कि सिसोदिया ने रुपये लिए हैं। इतना ही नहीं नीति के लागू होने के बाद सरकार को बीते दस सालों में सबसे ज्यादा राजस्व मिला। विवेक जैन ने कहा कि ऐसी कोई सामग्री नहीं पेश गई कि मनी लॉन्ड्रिंग अपराध करने में विजय नायर सिसोदिया के प्रतिनिधि थे।

रामनवमी हिंसा पर भाजपा पहुंची कलकत्ता हाईकोर्ट, बंगाल सरकार ने सीआईडी को सौंपी जांच

कोलकाता। हावड़ा में रामनवमी के मौके पर भड़की हिंसा का केंद्र सरकार ने संज्ञान लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसे लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार से फोन पर बात की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल भाजपा ने हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। राज्य भाजपा ने हाईकोर्ट से हिंसा की NIA से जांच कराने की मांग की है। हावड़ा के डीएम मुक्ता आर्य ने क्षेत्र में हुई हिंसा के मद्देनजर, उत्तेजक संदेशों और वीडियो को प्रतिबंधित करने के लिए दूरसंचार, इंटरनेट और केबल सेवा प्रदाताओं को नोटिस जारी किया। राम नवमी समारोह के दौरान हावड़ा में हिंसा के बाद, पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को जांच सौंपी है। पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी सुनील चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा यह भी सामने आया है कि राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष से बात करने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यपाल सीवी बोस से भी बात की है। उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था की जानकारी ली है। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान गृह मंत्री ने राज्य में, विशेष रूप से हावड़ा के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति जानने की कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने गुरुवार की हिंसा और मौजूदा स्थिति के बारे में गृह मंत्री को जानकारी दी है। इस बीच यह भी सामने आया है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस आज हावड़ा के हिंसा प्रभावित इलाके शिबपुर में स्थिति का जायजा लेने जा रहे हैं। इस बीच, हावड़ा हिंसा के संबंध में पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने सीडी पुलिस कमिश्नर को सौंपी है? इस पर उन्होंने कहा कि 'हां और उन्होंने इसे आधिकारिक रूप से प्राप्त भी कर लिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हावड़ा और दालखोला में हुई हिंसा पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है।

कोरोना केस का नया रिकॉर्ड : 24 घंटे में चार हजार से ज्यादा संक्रमित मिले, 4 दिन में मौतों की रफ्तार 200% बढ़ी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। संक्रमण के चलते जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ गई है। हर रोज मिलने वाले नए मरीजों के मामले में भारत पहले से ही दुनिया के टॉप-10 देशों की सूची में शामिल हो गया था। अब मौतों के मामलों में भी भारत टॉप-10 देशों में शामिल हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंदर देश में रिकॉर्ड 4,435 लोग संक्रमित पाए गए। ये पिछले 163 दिन के आंकड़ों में सबसे अधिक है। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या 23 हजार 91 पहुंच गई है। एक्टिव केस का मतलब ऐसे मरीज, जिनका अभी इलाज चल रहा है। कोरोना से होने वाली मौतें भी बढ़ गईं हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर 15 लोगों ने जान गंवा दी। इनमें चार-चार केरल और महाराष्ट्र में मौतें हुईं। छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पुडुचेरी और राजस्थान में एक-एक कोरोना संक्रमित ने जान गंवा दी। अब तक संक्रमण के चलते कुल पांच लाख 30 हजार 916 मौतें हो चुकी हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले चार दिन के अंदर ही मौत की रफ्तार 200 प्रतिशत बढ़ गई। इस बीच 40 लोगों ने जान गंवाई। एक अप्रैल को पांच लोगों की मौत हुई थी। दो अप्रैल को 11, तीन अप्रैल को नौ और चार अप्रैल को 14 लोगों ने जान गंवा दी।

भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी का बयान, केसीआर भाजपा की मजबूती से डरकर पैदा कर रहे भ्रम

तेलंगाना। तेलंगाना के भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के बाद मामला गमार्ता जा रहा है। पुलिस संजय को मेडिकल जांच के लिए पलकुर्थी के एक अस्पताल लेकर गई है। इस दौरान कार्यकताओं ने काफिले को रोकने की कोशिश की। हंगामे के कारण पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। बता दें, भाजपा समर्थक लगातार सड़कों पर उतरकर गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। वहीं, भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि राज्य में हम इमरजेंसी जैसे हालात देख रहे हैं। केसीआर परेशान राजनेता, मुख्यमंत्री और एक हताश पिता हैं। उनका प्रशासन अराजक हो गया है। तेलंगाना में भाजपा की बढ़ती मजबूती उन्हें परेशान कर रही है। वह प्रधानमंत्री की राज्य की आगामी यात्रा से पहले भाजपा नेताओं को गिरफ्तार कर भ्रम की स्थिति पैदा करना चाहते हैं।

नड्डा और रेड्डी ने पूछा हिरासत की वजह- जानकारी के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के हैदराबाद प्रमुख रामचंदर राव से बात की और भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बंदी की गिरफ्तारी के बारे में पूछा। वहीं बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमार से इस विषय पर बात की है। बता दें, तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय को यदाद्री भुवनगिरी जिले के बोम्मला रामाराम पुलिस थाने में रखा गया है। पुलिस उन्हें दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर रही है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर- बुधवार सुबह उच्च न्यायालय की वकील और भाजपा प्रवक्ता रचना रेड्डी ने बताया कि भाजपा राज्य महासचिव बंगारू श्रुति ने राज्य भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय की गिरफ्तारी को लेकर उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिका दायर की है। वहीं उनके समर्थक लगातार पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामला: कोर्ट का बड़ा फैसला, अमीन रिपोर्ट का आदेश स्थगित, मुस्लिम पक्ष ने की थी मांग

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह मामले में बुधवार को कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। कोर्ट ने अमीन रिपोर्ट तैयार करने के दिए गए अपने आदेश को स्थगित कर दिया है। अब मामले में 11 अप्रैल को फिर से सुनवाई होगी। बता दें कि ईदगाह पक्ष ने रिपोर्ट तैयार करने में रोक की मांग को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। ईदगाह का अमीन द्वारा निरीक्षण कर रिपोर्ट दिए जाने संबंधी अपने आदेश को सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट नीरज गोंड ने 11 अप्रैल तक स्थगित कर दिया है। अदालत द्वारा यह आदेश 29 मार्च को किया गया था। इसके बाद ईदगाह ओर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा लगातार इसे रोकने को प्रार्थना पत्र दिए जा रहे थे। इसी कड़ी में मंगलवार को सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से अधिवक्ता जीपी निगम ने प्रार्थना पत्र दिया है। इस पर मंगलवार को आदेश रिजर्व कर लिया गया। बुधवार को फैसला सुनाते हुए इसे स्थगित कर दिया गया। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के अधिवक्ता जीपी निगम ने बताया कि अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र पर इसे 11 अप्रैल तक स्थगित कर दिया है। वहीं ईदगाह के सचिव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अमीन रिपोर्ट किए जाने का अदालत का आदेश अभी अदालत ने स्थगित कर दिया है। पक्षकार के अधिवक्ता शैलेष दुबे ने बताया कि अमीन रिपोर्ट का आदेश अदालत ने स्थगित कर दिया है। अब इस संबंध में 11 अप्रैल को सुनवाई होगी।

सीएम नीतीश कुमार बोले- दो लोग हैं... एक राज कर रहा, दूसरा उसका एजेंट; दोनों मिलकर गड़बड़ कर रहे

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पीएम मोदी और अमित शाह का नाम लिए बगैर उनपर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि दो लोग हैं। एक राज कर रहे, और दूसरे उनके एजेंट हैं। यही दोनों मिलकर यह सब गड़बड़ कर रहा है। सोशल मीडिया पर क्या कर रहे हैं, यह लोग जनता देख रही है यह लोग सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करते हैं। कहा कि यह लोग कितने दिन से राजनीति में हैं? यह सब लोग जानते हैं और हम लोग कितने दिन से राजनीति में हैं यह भी लोग जान रहे हैं। श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में जो पार्टी थी, वह कितना अच्छा से काम कर रही थी। और अब क्या काम हो रहा है यह जनता देख रही है। आजकल यह लोग कुछ काम नहीं कर रहे हैं। सब चीजों पर कब्जा कर बैठ गए हैं। और केवल अपना दुष्प्रचार कर रहे हैं। हम लोग कहीं भी अगर अच्छा काम करते हैं तो उसी कहीं चर्चा नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग पूरे बिहार पर नजर रख रहे हैं। एक-एक चीज पर नजर रख रहे हैं। गड़बड़ करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

जान-बूझकर के अपना कार्यक्रम कैंसिल करवा दिया- नालंदा और सासाराम हिंसा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर से बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों जगह कुछ लोगों ने गड़बड़ किया है। इसके बाद पुलिस-प्रशासन ने बहुत अच्छे ढंग से इसको कंट्रोल किया। अब दोनों एक जगह शांति है। प्रशासन की टीम घर-घर जाकर लोगों से पूछ रही है। इस मामले में कौन-कौन शामिल हैं, जल्द ही सब का खुलासा हो जाएगा। नालंदा और सासाराम की घटना के बाद प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। एक-एक चीज को बारीकी से देखा जा रहा है। जल्द ही इसके पीछे कौन है इसका भी खुलासा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि एक जगह उनको जाना था। जान-बूझकर के अपना कार्यक्रम कैंसिल करवा दिया।

बिहारशरीफ में कुछ लोगों ने धंधा करने की कोशिश की है- किसी का नाम लिये बगैर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहारशरीफ में भी कुछ लोगों ने गड़बड़ करने की कोशिश की है। वह पहले बिहार था, हमने उसके नाम के आगे शरीफ लगाया। भाजपा का नाम लिए बगैर उन्होंने आरोप लगाया कि बिहारशरीफ में कुछ लोगों ने धंधा करने की कोशिश की है। इसका भी जल्द ही खुलासा हो जाएगा। यहां आज तक किसी भी तरह का उपद्रव नहीं हुआ था। लेकिन अचानक से यह कैसे हो गया? इससे साफ है कि या किसी ने जानबूझकर करवाया है। लोगों से अपील है कि वह इस तरह की अफवाह में ना आए। किसी के बहकावे में नहीं आए। आपसी भाईचारा और सौहार्द बना कर रखें।

निकाय चुनाव में मुस्लिम-दलित समीकरण साधना बसपा के लिए चुनौती

लखनऊ। शहरी निकाय चुनाव में बसपा दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने की कोशिश में लगी है। पर, यह उसके लिए आसान नजर नहीं आ रहा है। गांव चलो अभियान में बसपा ने इसी समीकरण पर मुख्य फोकस किया था, पर इसका ऐसा सार्थक परिणाम नहीं निकल पाया जिसकी बसपा सुप्रीमो मायावती को उम्मीद थी। हालांकि इससे गांवों में बसपा ने अपना आधार मजबूत करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी और इसमें कुछ लोगों को जोड़ा भी गया। ऐसे में सभी कोऑर्डिनेटरों से कहा गया है कि जिन सीटों पर दलित और मुस्लिम मिलकर जीत हासिल कर सकते हों, वहां दोनों को ही बसपा से जोड़ने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया जाए। इसी समीकरण के साधने वाले उम्मीदवार चुने जाएं। दरअसल बसपा के लिए विधानसभा चुनाव 2022 बेहद खराब रहा। इस चुनाव में बसपा से मुस्लिम वोटर तो कटे ही, दलित भी छिटके। यह स्थिति तब थी जब इस चुनाव में बसपा ने 60 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें से एक भी उम्मीदवार नहीं जीत पाया। इसका मुख्य कारण मुस्लिम वोट बैंक का बड़ा हिस्सा सपा की ओर जाना माना गया। पूरे प्रदेश में ही बसपा को एकमात्र सीट मिली। अब भी मुसलमानों का झुकाव समाजवादी पार्टी की तरफ ज्यादा नजर आ रहा है। अब शहरी निकाय चुनाव में बसपा खास तैयारी कर रही है। प्रदेश में कुल 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद और 544 नगर पंचायतों में चुनाव हो रहा है। इसके लिए बसपा ने फिर से मुस्लिमों को जोड़ने की आस लगाई है। कोआर्डिनेटरों से कहा गया है कि मुस्लिमों को यह समझाया जाए कि दलित मुस्लिम मिलकर ही भाजपा की राह रोक सकते हैं। इसके लिए गांव चलो अभियान शुरू किया गया था, जिसमें मुस्लिमों को जोड़ने के लिए कैडर कैंप लगाए गए। लगातार कैंप लगे, पर उसका बड़ा लाभ बसपा को मिल जाएगा, इसे लेकर अभी बसपा थिंक टैंक ही मुतमइन नहीं हैं। यदि पिछले चुनाव को देखें तो बसपा ने दो नगर निगम की सीटें मेरठ और अलीगढ़ जीत ली थीं।

संपादकीय

खुशी की हिंसा

अपनी खुशी का जश्न क्या इस हद तक बेलगाम हो सकता है कि इसमें डूब कर किसी दूसरे के घर को दुख और मातम से भर दिया जाए? किसी व्यक्ति या परिवार का अपनी खुशी को उत्सव की तरह प्रदर्शित करना गलत नहीं है, लेकिन इस क्रम में उसे दूसरों की शांति और जिंदगी को बाधित करने का हक नहीं है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सिरसपुर इलाके में एक महिला ने पड़ोस में तेज आवाज में बज रहे संगीत को सिर्फ रोकने की बात कही, मगर इसके जवाब में उस पर पिस्तौल से गोली चला कर जानलेवा हमला किया गया। वह मौत से जूझ रही है और इसी वजह से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। इस तरह की यह अकेली घटना नहीं है। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनके मुताबिक किसी मौके पर बेलगाम और तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर अगर किसी ने विरोध जताया तो उसकी आपत्ति पर गौर करने के बजाय उल्टे उस पर हमला कर दिया जाता है। कुछ ही दिन पहले झारखंड में एक धार्मिक शोभायात्रा के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने से पुलिस ने रोका तो जुलूस में शामिल लोगों ने पुलिसकर्मियों पर ही हमला कर दिया। यह समझना मुश्किल है कि कभी पर्व-त्योहार या फिर किसी पारिवारिक समारोह के मौके पर आयोजित समारोह में कुछ लोग बेहिसाब तेज शोर और संगीत को ही खुशी को अभिव्यक्त करने का मुख्य जरिया क्यों मान लेते हैं! अगर कोई ऐसा मानता भी है तो उसे यह सोचना जरूरी क्यों नहीं लगता कि उसकी वजह से आसपास का वातावरण कई स्तर पर बाधित हो सकता है, इससे बाकी लोगों को सह सकने से ज्यादा परेशानी हो सकती है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट सन 2005 में ही ध्वनि प्रदूषण पर रोक के मामले में अपने एक फैसले में कह चुका है कि जबरदस्ती ऊंची आवाज यानी तेज शोर सुनने को मजबूर करना किसी के मौलिक अधिकार का हनन है। तब अदालत ने यह साफ किया था कि किसी को भी इतना शोर करने का अधिकार नहीं है, जो उसके घर से बाहर जाकर पड़ोसियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी पैदा करे। इसके अलावा, स्थानीय प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी किए जाते हैं कि किसी भी स्थिति में ऊंची आवाज में संगीत बजाने को लेकर तय समय और सीमा का उल्लंघन गैरकानूनी है। विडंबना यह है कि इस मसले पर कानूनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद न लोग इसका खयाल रखते हैं और न ही संबंधित महकमे या पुलिस को सरेआम इसके उल्लंघन के खिलाफ अपनी ओर से सख्त कार्रवाई करना जरूरी लगता है। जो लोग इस तरह के जश्न में डूबे रहते हैं, उन्हें बाकी लोगों की असुविधा से कोई मतलब नहीं होता और जिन लोगों को परेशानी होती है, वे आमतौर पर झगड़े-झंझट, हिंसक प्रतिक्रिया या फिर कानूनी जटिलताओं से बचने के खयाल से आपत्ति नहीं जता पाते हैं। किसी को अपनी खुशी पर जश्न मनाना अच्छा लग सकता है। लेकिन सच यह है कि ऐसे मौकों पर जिस स्तर पर शोर किया जाता है, जो तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, उसकी वजह से आसपड़ोस का माहौल ध्वनि प्रदूषण और अशांति से भर जाता है। किसी की जरूरी पढ़ाई बाधित हो जाती है, कोई अगले दिन काम पर जाने के लिए जरूरत भर नींद नहीं ले पाता है तो किसी की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इससे उपजने वाली शारीरिक-मानसिक परेशानियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक सभ्य नागरिक और समाज की यह पहचान है कि कोई अपनी खुशी को अभिव्यक्त करे, लेकिन अगर उससे दूसरों को किसी तरह की परेशानी हो रही हो तो वह खुद अपनी सीमा तय करे।

खोज है निकालना!

छोड़ना ना किसी को ।
आया नया बयान ।।
है कड़ी परीक्षा ।
बड़ा इम्तिहान ।।
एक एक को ढूंढ कर ।
है करनी पहचान ।।
दृढ़ इच्छाशक्ति है ।
लगा देनी जान ।।
निर्भय होकर प्रति पल ।
जाएं करते काम ।।
खोज है निकालना ।
पड़ा जहां हराम ।।
मच गई है खलबली ।
लड़ना ना आसान ।।
जा रहा अब सबका ।
इधर ही ज्यादा ध्यान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

रामराज्य लाने के लिए हनुमानजी की उपासना अनिवार्य! - श्री. विश्वनाथ कुलकर्णी, हिंदू जनजागृति समिति

मनोजवम् मारुत तुल्य वेगम्
,जितेंद्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ॥
वातात्मजं वानरयूथ मुख्यम
,श्रीराम दूतम शरणं प्रपद्ये ॥

अर्थात कामदेव व वायु के समान गतिशील, इंद्रियों पर विजय प्राप्त करनेवाले, बुद्धिमानों में श्रेष्ठ, वायुपुत्र, वानर समूह के अधिपति और श्रीराम के दूत ऐसे मारुति के मैं शरण में आया हूं ।

इस श्लोक के माध्यम से मारुति जी के अतुलनीय गुण विशेषताओं का परिचय होता है । छोटो से लेकर बड़ों तक सभी को अपने लगनेवाले भगवान "मारुति " ! मारुति यह सर्वशक्तिमान महापराक्रमी, महाधैर्यवान, सर्वोत्कृष्ट भक्त, महान संगीतज्ञ के रूप में भी प्रसिद्ध है । जीवन को परिपूर्ण करने के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता रहती है, उन सभी गुणों के प्रतीक अर्थात मारुति । शक्ति, भक्ति, कला, चतुराई और बुद्धिमता इनमें श्रेष्ठ होकर भी भगवान रामचंद्र की चरणों में हमेशा समर्पित रहनेवाले मारुति जी की उपासना रामराज्य लाने के लिए कार्यरत सभी धर्म वीरों को करना चाहिए ' चैत्र पूर्णिमा के दिन हनुमान जयंती के अवसर पर गदा पूजन कर वीर हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं '

देवताओं के संदर्भ की शास्त्रीय जानकारी उनके प्रति की श्रद्धा बढाती है ' इसलिए उनके जन्म का इतिहास और उनकी कुछ गुण-विशेषताएं जान लेते हैं ।

जन्म का इतिहास : राजा दशरथ ने पुत्र प्राप्ति के लिए 'पुत्रकामेष्टी' यज्ञ किया । तब उस यज्ञ से अग्नि देव ने प्रकट होकर दशरथ जी के रानियों के लिए पायस (खीर) प्रदान की । अंजनी को भी दशरथ की रानियों के समान तपश्चर्य द्वारा पायस प्राप्त हुआ था; इसी प्रसाद के प्रभाव से मारुति जी का जन्म हुआ । उस दिन चैत्र पूर्णिमा थी । वह दिन 'हनुमान जयंती' के रूप में मनाया जाता है । वाल्मीकि रामायण के (किष्किंधा कांड 66वे सर्ग) में हनुमान जी की जन्म कथा इस प्रकार वर्णित है । माता अंजनी के गर्भ से हनुमान जी का जन्म हुआ। जन्म लेते ही उगते सूर्य बिंब को पका फल समझ हनुमान जी ने आकाश में उसकी और उड़ान भरी पर्व तिथि होने के कारण उस दिन सूर्य को निगलने के लिए राहु आया था । सूर्य की और बढ़नेवाला हनुमान यह दूसरा राहु ही है यह समझ कर इंद्र ने उनपर वज्र फेंका । जो उनकी ठोड़ी को चीरता हुआ चला गया इस कारण उनको हनुमान यह नाम दिया गया ।

कार्य और विशेषताएं : सर्वशक्तिमान : सभी देवताओं में केवल मारुति जी ही ऐसे देवता हैं जिनको अनिष्ट शक्तियां कष्ट नहीं पहुंचा सकती । लंका में लाखों राक्षस थे फिर भी वह मारुति जी को कोई कष्ट नहीं पहुंचा पाए । जन्म लेते ही मारुति जी ने सूर्य को निगलने के लिए उड़ान भरी ऐसी जो गाथा है, इससे यह ध्यान में आता है की वायु पुत्र मारुति ने सूर्य पर विजयप्राप्त की । पृथ्वी, आप, तेज, वायु और आकाश इन तत्वों में वायु तत्व यह तेजतत्व की अपेक्षा अधिक सूक्ष्म अर्थात अधिक शक्तिमान है ।

भक्त : दास्य भक्ति के सर्व उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में आज भी मारुति जी की राम भक्ति का ही उदाहरण दिया जाता है । वे अपने प्रभु के लिए प्राणों को अर्पण करने के लिए भी सदैव तत्पर रहते थे । उनकी सेवा के आगे उनको शिव तत्व और ब्रह्म तत्व की इच्छा भी कौडी के मोल लगती थी । हनुमान अर्थात सेवक और सैनिक इन दोनों का सम मिश्रण ही है !

बुद्धिमान : व्याकरण सूत्र, सूत्र वृत्ति, वार्तिक, भाष्य और संग्रह इन सब में मारुति जी की बराबरी करनेवाला कोई भी नहीं था । (उत्तम राम चरित्र में (36.44.46) मारुति जी को 11वां व्याकरणकार मानते हैं ।

मानस शास्त्र में निपुण और राजनीति में कुशल : अनेक प्रसंगों में सुग्रीव आदिवानरों के साथ ही साथ भगवान श्रीराम जी ने भी उनका परामर्श माना है । रावण को छोड़कर आए विभीषण को अपने पक्ष में नहीं लेना चाहिए, ऐसा अन्य सैनिकों का विचार था परंतु मारुति जी ने "उन्हें अपने पक्ष" में लेना चाहिए ऐसा बताया और वह भगवान श्रीराम जी ने मान्य किया । लंका में सीता जी से प्रथम भेंट के समय उनके मन में स्वयं के विषय में विश्वास निर्माण करने, शत्रु पक्ष के पराभव के लिए लंका दहन करने, राम जी के आगमन को लेकर भरत जी की भावना जानने के लिए, राम जी ने उन्हीं को भेजा इससे उनकी बुद्धिमत्ता और मानसशास्त्र में निपुणता का पता चलता है । लंका दहन के द्वारा उन्होंने रावण की प्रजा का रावण के बल पर जो विश्वास था उसको डगमगा दिया ।

जितेंद्रिय : सीता जी की खोज में जब मारुति जी रावण के अंतःपुर में गए थे तब उनकी मन स्थिति उनके उच्च चरित्र का द्योतक है । उस समय वे स्वयं कहते हैं स्वच्छंदता से लेटी हुई सभी रावण स्त्रियों को देखने के पश्चात भी मेरे मन में विकार उत्पन्न नहीं हुआ, वाल्मीकि रामायण, सुंदरकांड में अनेक संतों ने जितेंद्रिय ऐसे हनुमान जी की पूजा करके उनका आदर्श समाज के सामने रखा है । जितेंद्रिय होने के कारण ही मारुति इंद्रजीत को हरा सके।

साहित्य, तत्वज्ञान और अभिव्यक्ति कला में निपुण : रावण के दरबार में उनका भाषण उनकी अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट नमूना है ।

संगीत शास्त्र के प्रवर्तक : मारुति जी को संगीत शास्त्र का एक प्रमुख प्रवर्तक माना गया है । समर्थ रामदास स्वामी जी ने उनको 'संगीत ज्ञान महंता ' संबोधित किया है ।

चिरंजीव : हर समय प्रभु श्री राम अवतार लेते हैं तो उनका स्वरूप वही होता है परंतु मारुति हर अवतार में अलग होते हैं । मारुति शब्द सप्तचिरंजीव में से एक होने पर भी सप्त चिरंजीव चार युगों के समाप्त होने पर मोक्ष को जाते हैं और उनकी जगह अत्यंत उन्नत ऐसे सात लोग लेते हैं ।

मूर्ति विज्ञान : **मारुति और वीर मारुति** : हनुमान जी के दास मारुति और वीर मारुति ऐसे दो रूप है । दास मारुति राम जी के आगे हाथ जोड़कर खड़े रहते हैं । उनकी पूंछ जमीन पर रहती है । वीर मारुती हमेशा युद्ध के लिए सज्ज रहते हैं । उनकी पूंछ ऊपर की ओर खड़ी और सीधा हाथ मस्तक की ओर मुड़ा रहता है।

पंचमुखी मारुति : पंचमुखी मारुति की मूर्ति अत्यधिक मात्रा में दिखाई देती है । गरुड़, वराह, हयग्रीव, सिंह और कपि मुख यह पांच मुख होते हैं । इन 10 भुजी मूर्तियों के हाथ में ध्वज ,खड्ग, पाश इत्यादि शस्त्र होते हैं । पंचमुखी देवता का एक अर्थ ऐसा है कि पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण यह 4 और उर्ध्व दिशा ऐसे पांचों दिशाओं में उन देवता का ध्यान है या उन दिशाओं पर उनका आधिपत्य है ।

दक्षिण मुखी मारुति : दक्षिण शब्द दो अर्थों में प्रयोग में लाया जाता है । एक अर्थात दक्षिण दिशा और दूसरा अर्थात दायीं बाजू । गणपति और मारुति की सुषुम्ना नाड़ी हमेशा कार्यरत रहती है परंतु रूप बदलने पर थोड़ा बदलाव होकर उनकी सूर्य या चंद्र नाड़ी कम मात्रा में कार्यरत होती है ।

शनि की साढ़ेसाती और मारुति पूजा : शनि की साढ़ेसाती होने पर उसका कष्ट कम करने के लिए मारुति पूजा की जाती है ।

जैसे हनुमान जी राम काज के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहे, वैसे ही राष्ट्र और धर्म के लिए हम सभी को प्रतिदिन न्यूनतम 1 घंटे देना चाहिए, ऐसा आवाहन हिंदू जनजागृति समिति के माध्यम से किया गया।

सपा ने आयोजित की महर्षि कश्यप एवं गुहराज जयंती पर विचार गोष्ठी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज बुधवार को को समाजवादी पार्टी गाजीपुर के तत्वाधान में महर्षि कश्यप एवं गुहराज निषाद की जयंती पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । गोष्ठी आरंभ होने के पुर्व पार्टी के सभी नेताओं ,पदाधिकारियों ने महर्षि कश्यप एवं भगवान गुहराज निषाद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और देश में प्रेम और भाईचारे का संदेश देने के साथ साथ गरीबों की मदद करने एवं सभी जाति, धर्म एवं समाज के लोगों को जोड़ने का भी संकल्प लिया ।

इस अवसर पर विधायक जै किशन साहू इन महापुरुषों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए केवट और कश्यप समाज के लोगों को बधाई दी और कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीबों और पिछड़ों के हक और उनके सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है । उन्होंने भगवान गुहराज निषाद और महर्षि कश्यप को याद करते हुए कहा कि यह दोनों महापुरुष करूणा और त्याग की प्रतिमुर्ति थे । गुहराज निषाद और महर्षि कश्यप दोनों नीति प्रिय थे और दोनों स्वयं धर्मनीति के अनुसार चलते थे। दोनों ही राग-द्वेष रहित, परोपकारी और प्रजापालक थे। उन्होंने हमें समाज के लिए त्याग करने की सीख दी थी । हमें उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्र की तरक्की के लिए कार्य करना चाहिए।

इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा गरीब और पिछड़ों की लड़ाई लड़ी है और हमेशा लड़ती रहेगी । हम सभी समाज के लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से सभी समाज के महापुरुषों का सम्मान करते रहे हैं उन्होंने पुर्व सांसद फुलन देवी, राज्यसभा सांसद विश्वभर निषाद, विधानपरिषद सदस्य और पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप, पुर्व मंत्री चौधरी लालता प्रसाद निषाद आदि निषाद और कश्यप समाज के तमाम नेताओं का नाम लेते हुए कहा कि जब जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है कश्यप और निषाद समाज के लोगों का सम्मान हुआ है और उनके हक में कलम चली है। उन्होंने कहा कि भारी विरोध के बावजूद जमाने की सतायी महिला फूलन देवी को हिंदुस्तान की सबसे बड़ी पंचायत में भेजने का और उसके सारे मुकदमें वापस लेने का ऐतिहासिक फैसला नेता मुलायम सिंह जी ने ही लिया था।उन्होंने इस बैठक में उपस्थित कश्यप और केवट समाज के लोगों से भाजपा के छद्म पिछड़ा प्रेम से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि इनका पिछड़ा प्रेम केवल चुनाव में प्रकट होता है। अन्यथा यह केवल पिछड़ों के हक और अधिकार पर कैंची ही चलाने का काम करते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, सुदर्शन यादव, डॉ नन्हकू यादव,मुन्नन यादव,निजामुद्दीन खां, अशोक कुमार बिंद,जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, आशा यादव, अमित ठाकुर, सदानंद यादव, आत्मा यादव,चन्द्रिका यादव, सुरज राम बागी,मदन सिंह यादव, परशुराम बिंद, रविन्द्र प्रताप यादव,रजनी कान्त यादव,रामकरेश यादव, कमलेश यादव, राहुल निषाद,राजेंद्र यादव,रामनगीना यादव, हरवंश यादव, प्रदीप राजभर, पूजा गौतम,जगत मोहन बिंद, राकेश यादव, बैजू यादव, अजय कुमार भारती उर्फ.पप्पू विजय शंकर यादव, नन्हें, द्वारिका यादव, अनिल यादव, दीपक उपाध्याय,कमला यादव, गुड्डू यादव,पप्पू यादव, रविशेखर विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र यादव, आदि उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष कन्हैया लाल विश्वकर्मा ने किया।

पत्रक के माध्यम से किसानों की समस्याओं की तरफ कराया ध्यान आकृष्ट

प्रखर मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन जनपद ईकाई की तरफ से किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित एक पत्र उपजिलाधिकारी को सौप कर किसान नेताओं ने किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत करा निस्तारण कराने की मांग की है जो निम्नवत है।

1. जनपद मे बेमौसम बारिश व तूफान से किसानों की रवि की फसल की नुकसान का आकलन करा कर किसानों को क्षतिपूर्ति व मुआवजा व फसल बीमा का लाभ दिलाया जाए।

2. गर्मी के सीजन में आग लगी की घटनाओं को देखते हुए जनपद के सभी थानों पर दमकल गाड़ी की व्यवस्था उपलब्ध कराया जाए जिससे कहीं भी घटना होने पर फौरी तौर पर बचाव किया जा सके।

3. जनपद पर दलहन, तिलहन , और मोटे अनाज (श्री अन्न योजना)के खरीद के लिए क्रय केंद्र खोला जाए, व गेहूं खरीद मे जिन किसानों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है उनका सत्यापन सुचारू रूप से कराते हुए पारदर्शिता के साथ गेहूं खरीद कराया जाए।

4.गोरखपुर माफी चुनार मिजार्पुर में 26 मार्च 2023 को बिजली की शॉर्ट सर्किट की वजह से किसानों के लगभग 20 बीघे गेहूं जलकर खाक हो गए राजस्व लेखपाल के द्वार सर्वे का कार्य हो गया है लेकिन किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है, किसानो को मुआवज दिलाया जाय।

5. उत्तर प्रदेश स्टेट हाईवे एनएच SH5A वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर 113 किलोमीटर में पहले से ही 3 टोलप्लाजा लगे हैं वनस्थली महाविद्यालय अहरौरा के पास चौथा अस्थाई अवैध टोल प्लाजा लीकेज रोकने के लिए लगाया गया है जो डीपीआर में नहीं है, (एनएच7 रोड पर प्रतापपुर में टोल प्लाजा लग जाने से लीकेज की समस्या समाप्त हो गई है)26/12/ 2022 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में भारतीय किसान यूनियन की बैठक हुई थी उसके बाद भी अभी तक कोई निर्णय नहीं आ पाया है अहरौरा में लगे अवैध टोल प्लाजा को अभिलंब हटाया जाए नहीं तो भारतीय किसान यूनियन धरना प्रदर्शन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

6. अहरौरा में क्षेत्रीय लोगों द्वारा कई वर्षों से ब्लॉक मुख्यालय बनाने की मांग हो रही है जन भावनाओं व जन सुविधाओं को देखते हुए अहरौरा में ब्लॉक मुख्यालय की संस्तुति प्रदान कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए।

7. चुनार तहसील अंतर्गत ब्लाक राजगढ़ के बैरमपुर ग्राम सभा में राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के भवन का निर्माण लगभग 89 वर्ष पहले हो चुका है निर्माण कार्य जो अधूरा है उसे पूरा कराते हुए विद्यालय में शासन द्वारा पठन-पाठन का कार्य सुनिश्चित किया जाए।

8. NH 7 राष्ट्रीय राजमार्ग 7 पर बरईपुर गेट के सामने कट दिया जाए जो जनता द्वारा बार-बार मांग की जा रही है ताकि भी बीसो गांव की जनता को आने-जाने में सुविधा मिल सके।

इस कार्यक्रम में कंचन सिंह फौजी जी जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रहलाद सिंह किसान प्रदेश महासचिव, सिद्धनाथ सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष ,अवधेश नारायण सिंह जिला उपाध्यक्ष, स्वामी दयाल सिंह जिला कोषाध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह जिला मीडिया प्रभारी ,राम सिंगार सिंह जिला सचिव ,राम सूरत सिंह जिला कार्यकारिणी सदस्य ,राजेश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू ,राजेंद्र कुमार, रामचंद्र सिंह, दासू यादव, रामचंद्र यादव ,चुल्हन बिंद, जैस राम ,व निम्न लोग उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी

जंगल में मंगल पर पुनर्विचार, कहीं अगला नंबर हमारा तो नहीं

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

जंगल में चुनावी दंगल की इत्तिला के बाद झूठ और सच के सहारे स्थानीय सिंहासन की कुर्सी तक पहुंचने के लिए हर हथकंडे का इस्तेमाल किया जा रहा था। सत्ता पक्ष के आगलगावन भैया अपनी शेखीशान और धमक के बदौलत भावी जीत की अग्रिम खुशी में फूले नहीं समा रहे थे। लेकिन इलाकाई जनता के मूड से अंजान थे।सही मायने में जनता का मूड तब्दीली चाहता था। जिसके हालात के जज्बात विरोधाभासी रंग घोलने को बेताब थे।शायद यही वजह थी कि जंगल के गीदड़ भालू और उल्लुओं की जमात अंदरखाने आगलगावन भैया के किए-धिए से नाखुश बदनामी का पचरा गाने से बाज नहीं आ रही थी।इतस्ततः जंगल के अवैध और नाबालिग ओटर संग खुशनुमा मौसम के सपोटर परिंदे जो दावती लुत्फ उठाने के चक्कर में धार पर पानी पहले से देकर काग चेष्टा बको ध्यानम् की स्थिति में दृष्टि जमाए बैठे थे। वह भी गिरगिटिया रंग बदलकर खाने के पत्तल में छेद करने पर आमादा थे। दूसरी तरफ उन्हीं की पार्टी के मुसरचंड लाल अंदर खाने पहली बार निर्दल रूप में चुनावी पर्चा दाखिल कर ताल ठोकते हुए धोबिया पाट दांव लगाने की जुगत में पहले से लगे हुए थे। जिसके चलते पहले से घोषित पार्टी उम्मीदवार के मयार्दा का पानी उतरना लाजिमी लग रहा था। आखिरकार जिसका अंदेशा था वहीं सच निकला।कमर कसकर प्रचार हुआ। कचाका ओट पड़ा। मतगणना हुई। नतीजा खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसा निकला।और जंगल में मंगल दूसरे का मनाया जाने लगा। विरोधी गुट के चौधरी दादा सहित उनके गुर्गों को जिताऊ जश्न राश नहीं आ रहा था।और भीतर ही भीतर मुसरचंड लाल को चारों खाना चित करने की उड़ती खबर रंग लाने लगी।इलाकाई गंवई मुखिया को मिलाकर जाल भी बुना जाने लगा।इसकी गोपनीय जानकारी तब लीक हुई जब एक खास पावरफुल हुक्मरान कारिंदे के दफ्तर में बतकुच्चन के दौरान तूं तूं मैं हो गया। और प्याज के छिलके की तरह परत दर परत चोरी छिपे लेन देन का कच्चा चिट्ठा खुलने लगा। तभी अचानक नारद जी के वंशज खबरीलाल जी से हुई मुलाकात ने सनई की गांठ को पानी से बोर दिया। यही की ' खबर छपवा दो अखबार में-- बदनामी की धूल उड़ती सरे बाजार में,। फिर क्या मामला तूल पकड़ने लगा। दोनों पक्ष के मन की बात खबरों के मार्फत ब्राडकास्ट होने लगी। दोनों तरफ के तीमारदार कनफुसिया बतियाने लगे। और सब्जी में आलू की तरह भूमिका निभाने वाले बाजीगर जी भरकर चुटकियां लेने लगे। परंतु उम्दा सूझ बूझ वाली पार्टी की जाम्बवंत समिति ने भविष्य में होने वाले घाटा का भानकर किसी तीसरे को मजा लेने से रोकने के लिए जंगल में आपातकालीन बैठक बुलाकर मामला सल्टाने पर विचार किया जिससे जंगल में मंगल पहले की तरह बना रहे। और आने वाले चुनाव में बिना कूकर की दाल गल सके। इससे खार खाए जंगल के कुछ खतरनाक जानवर अपने खिलाफ अशुभ? सुगबुगाहट की बदबू से गुरार्ते हुए विरोध में खड़े होकर काला झंडा दिखाने की तैयारी करने लगे हैं। इसमें एंटी दल के मशविरा को नजरंदाज नहीं किया जा सकता ।साथ ही गुल्ली-डंडा के खेल में भच्ची मारने वालों की भी हवा इस बात से निकलती दिखाई देने लगी है कि कहीं अगला नंबर हमारा तो नहीं। क्यों कि जंगल का बूढ़ा शेर आवश्यकता से ज्यादा जनहित की चिंता करने लगा है। जनता के फेबर में कठोर गणित के चहेते सूत्रों से सवालों का हल विरोधियों का फीबर बढ़ाने के लिए काफी है। वैसे तो पहले से ही एंटीरोमियो की हनक और बुल्डोजर की धमक से दावतेजश्न की हवा खराब है। और ओटर तितर बितर हो चले हैं। फिर भी भूत और वर्तमान के आधार पर भविष्य की कल्पना की जा सकती है लेकिन निचोड़ नहीं दिया जा सकता। फिर भी गांव की गड़ही के मझोले जीवधारी हरकत में होते हुए अवकात में तो हैं ही।

नियमित टीकाकरण कराएं, बच्चों को बीमारियों से बचाएं

स्वास्थ्य उपकेन्द्र गोधरा पर आयोजित हुआ छाया वीएचएसएनडी सत्र

प्रखर कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुदही के स्वास्थ्य उपकेन्द्र गोधरा (अवरही) में बुधवार को छाया ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (छाया वीएचएसएनडी) सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल नौ गर्भवती को सेवा दी गयी जबकि दस बच्चों बच्चों का टीकाकरण किया गया। एएनएम निभा विश्वकर्मा ने बताया कि केन्द्र पर पंजीकृत एनीमिक गर्भवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुदही स्थित एनीमिया कार्नर पर भेज कर आवश्यकता अनुसार आयरन सुक्रोज भी चढ़वाया जाएगा। सत्र स्थल पर आने वाली गर्भवती के रक्तचाप, मधुमेह, पेशाब, खून, एचआईवी, पेट, वजन तथा सिफलिस की जांच की गयी। गर्भवती को आयरन फोलिक एसिड और केल्शियम की भी गोली दी गयी। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के लिए गर्भवती और शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की ड्यू लिस्ट तैयार की जाती है। ड्यू लिस्ट के अनुसार आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लाभार्थियों को केन्द्र पर लातीं हैं और टीकाकरण

कराने में सहयोग करती हैं। सत्र स्थल पर आशा संगिनी सुशीला देवी, आशा कार्यकर्ता सविता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला देवी और ब्लॉक आउटरिच को-आर्डिनेटर अशफाक भी मौजूद रहे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता ने बताया बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए पांच साल में सात बार नियमित टीकाकरण जरूरी है। गर्भावस्था में गर्भवती का टीकाकरण आवश्यक है। गर्भवती को पौष्टिक आहार लेते रहने ,समय- समय पर जांच और टीकाकरण कराते रहने, कोई दिक्कत होने पर तत्काल आशा कार्यकर्ता के माध्यम से एएनएम या चिकित्सक से सम्पर्क करने की सलाह दी जाती है। किसी भी जटिलता से बचने के लिए संस्थागत प्रसव कराने को कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के नियमित टीकाकरण से गलाघोंटू, कालीखांसी, निमोनिया, टिटनेस, दिमागी बुखार ,टीबी, हेपेटाइटिस बी, पोलियो और खसरा जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है।

खाद्य समूहों और हरी सब्जियों का लगाया स्टॉल- बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा सत्र स्थल पर पोषण कार्नर पर खाद्य समूहों और हरी सब्जियों एवं फल का स्टॉल लगातार केन्द्र पर आने वाली गर्भवतियों को दिखाया। यह भी बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र से मिलने वाले सूखा राशन से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर सेवन करें। मोटे अनाज के सेवन से होने वाले विशेष फायदे के बारे में भी जानकारी दी गयी। खाद्य समूहों और हरी सब्जियों का स्टॉल लगाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में सरिता देवी, मिंटू देवी, सरोज, अंजनी मिश्रा और नर्मदा के नाम शामिल हैं।

जांच के बाद लगा टीका- केन्द्र पर जांच और टीकाकरण कराने आईं चन्दा देवी (25) ने बताया कि वह छह माह की गर्भवती हैं, आशा कार्यकर्ता सबिता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला ने बताया था कि उनके टीकाकरण का ड्यू डेट है। उन्हें केन्द्र पर टीका लगेगा। केन्द्र पर आने पर उन्हें टिटनेस डिप्थीरिया का दूसरा टीका लगा। पेट, खून,पेशाब, वजन, रक्तचाप, मधुमेह आदि जांच हुई। आयरन कैल्शियम फोलिक एसिड की गोली खाते रहने की सलाह मिली। हरी सब्जियों, गुड़, चना, मौसमी फल, दाल और पोषाहार के सेवन के बारे में विस्तार से बताया गया। समय-समय पर जांच कराते रहने के साथ प्रसव सरकारी अस्पताल में पर कराने की सलाह दी गयी।

पुरानी पेंशन सहित अन्य मांगों को लेकर 11 अप्रैल को होगा आंदोलन : दुर्गेश श्रीवास्तव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज बुधवार को कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का बैठक सम्पन्न हुआ, जिसमें कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के आवाहन पर 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जनपद मुख्यालय विकास भवन पर दिनाँक 11 अप्रैल 23 को सुबह 10 बजे से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन होना है, जिसमें पुरानी पेंशन बहाल किया जाय, सातवें वेतन आयोग के संस्तुतियों के उपरांत व्याप्त विसंगतियों को दूर करते हुए उसका पूर्ण लाभ दिया जाय, आउटसोर्सिंग एवं संविदा आदि पर कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सम्बन्धी सुरक्षा भविष्य मे स्थाईकरण हेतु नीति तथा समान्य कार्य समान्य वेतन लागू किया जाय, जनवरी2020 से दिनाँक 31जुलाई 2021 तक फ्रिज महंगाई भत्ते का एरियर भी अनुमन्य किया जाय, शेष बचे राजकीय निगमों के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ अनुमन्य किया जाय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती खोलते हुए स्वीकृत पदों पर सीधी भर्ती की जाय, सहित लम्बित अन्य मांगो को लेकर विकास भवन में धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संज्ञान हेतु ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में एस0 पी0 गिरी, अरविंद कुमार सिंह, विनोद पांडेय, राकेश कुमार पांडेय, आलोक श्रीवास्तव, अजित विजेता, देवेंद्र मौर्या,राजेश कुमार, अभय सिंह, चन्दन कुमार, जय प्रकाश सिंह, गिरजा कुशवाहा, गोविन्द रामेश, बृजेश, रामावतार, विनोद, आलोक, अश्वनी सिंह, अजमत, आदि लोग मौजूद रहे, बैठक की अध्यक्षता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव व संचालन ओंकार नाथ पांडेय ने किया।

विशाल सिंह चंचल की उपस्थिति में केक काटकर किया गया कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया है कि आज दिनांक 5 अप्रैल 2023 को ब्लाक देवकली गाजीपुर में बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के अन्तर्गत मुख्य अतिथि विशाल सिंह चंचल, सदस्य विधान परिषद की उपस्थिति में केक काटकर कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 12 कन्याएं थी। सभी कन्याओ को बेबी कीट, टॉवल, मिष्ठान वितरित कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नरेन्द्र विश्वकर्मा पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं महिला कल्याण विभाग से महिला शक्ति केन्द्र टीम के महिला कल्याण अधिकारी नेहा राय व जिला समन्वयक लक्ष्मी मौर्या उपस्थित रही।

डीडीयू अस्पताल के डाक्टर को घुस न दिए जाने पर आँखों का इलाज न कर अपमानित किये जाने की सीएम से शिकायत

प्रखर वाराणसी। मो. बाहिद अहमद पुत्र मो. महबूब निवासी मकान नंबर एस-8/46-सी-9, शिवपुर कोट, वाराणसी ने दीनदयाल उपाध्याय डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाया है और उसकी शिकायत ऑनलाइन मुख्यमंत्री से की है। का रहने वाला हूँ। उन्होंने कहा कि वाराणसी जनपद के पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय के नेत्र सर्जन डाक्टर बी राम को दिखाया और उनके कहे अनुसार टेस्ट, ECG व अन्य जाँच कराया। सभी जाँच कराने के बाद जब वे चिकित्सक की राम के पास इलाज हेतु गए तो चिकित्सक बी राम ने अपने निजी क्लिनिक पर बुलाया। पूछे जाने पर कि आपके निजी क्लिनिक में कितना पैसा लगेगा तो बी राम ने रुपया/-20 हजार का खर्च बताया। इस बात पर पीड़ित ने इतना पैसा खर्च कर पाने में असमर्थता जताई तो इस चिकित्सक ने पर्चा पीड़ित के मुह पर फेंकते हुए अपमानित कर यह कहते हुए भगा दिया कि 25 अप्रैल को आना। इस प्रकार से चिकित्सक की राम द्वारा इसके निजी अस्पताल में जाकर इलाज न कराने की वजह से पीड़ित के आँख का इलाज नहीं किया गया, यह आरोप पीड़ित के पुत्र ने लगाया है। बतादें की इस संदर्भ में प्रखर पुर्वांचल के प्रतिनिधि ने 2 बार सीएमओ वाराणसी को उनके नंबर पर काल किया गया पर सीएमओ का फोन नहीं उठा।

जनसमस्याओं और विकास की योजनाओं को लेकर भाजपा नेता पीयूष राय ने मुख्यमंत्री योगी से लखनऊ में की मुलाकात

प्रखर पूर्वान्चल गाजीपुर। मोहम्मदाबाद विधानसभा क्षेत्र की तमाम जनसमस्याओं और विकास की योजनाओं को लेकर भाजपा नेता पीयूष राय ने प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाकात की` इस दौरान पीयूष राय ने मंगई नदी से किसानों को होने वाली समस्याओं के निराकरण, बकाया वसूली के नाम पर बिजली विभाग के अफसरों और कर्मचारियों द्वारा नकारात्मक व्यवहार किये जाने आदि मसलों को सीएम के समक्ष रखा साथ ही गोड़उर में बन रहे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का नामकरण महर्षि कश्यप के नाम पर करने की मांग की` सीएम योगी ने पीयूष राय की बातों और मांगों को सुनने के बाद सकारात्मक आश्वासन भी दिया है इस दौरान जनपद की सियासी गतिविधियों की चर्चा भी की` पूर्व भाजपा विधायक स्व0 कृष्णानन्द राय के पुत्र पीयूष राय ने बताया कि मोहम्मदाबाद विधानसभा क्षेत्र की तमाम जनसमस्याओं और विकास योजनाओं को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई है उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या मंगई नदी से किसानों को होने वाली

परेशानी है जिसके कारण उनकी खेती पर बुरा असर पड़ता है` इस समस्या के निराकरण की मांग भी मुख्यमंत्री जी से की गई है जिस पर उन्होंने तत्काल संबंधित मंत्रालय से वार्ता करते हुए उचित निर्देश दिए साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृत गोड़उर गांव मे स्वीकृत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिसका निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है का नामकरण 'महर्षि कश्यप' के नाम पर किए जाने की मांग से सम्बंधित पत्र भी सौंपा है` पीयूष राय ने बताया कि इस दौरान क्षेत्र में बिजली विभाग के अफसरों और कर्मचारियों द्वारा बकाया वसूली के नाम पर किसानों और अन्य विद्युत उपभोक्ताओं के साथ किए जा रहे गलत व्यवहार की शिकायत भी की गई है उन्होंने बताया कि सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

बूथ सत्यापन अभियान के चौथे दिन भी छानबे विधानसभा पहुंचे निवर्तमान पालिकाध्यक्ष मनोज जायसवाल

प्रखर मिजार्पुर। निवर्तमान पालिकाध्यक्ष मनोज जायसवाल मंगलवार को भी मीरजापुर के छानबे विधानसभा पहुंचे। जहा उन्होंने आलाकमान के निर्देश पर चल रहे बूथ सशक्तिकरण अभियान के चौथे दिन भी छानबे विधानसभा गड़बड़ा मण्डल के हथेड़ा, पवारी कला, भेसौड़,महूगड़ी,देवहत,नेवादा,बरौंधा सेक्टर के बूथों पर भाजपा कार्यकताओं,बूथ सत्यापन अधिकारियों एवं शक्ति संयोजकों के साथ बैठक की।इस बैठक में निवर्तमान पालिकाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओ को बूथ सत्यापन के साथ,पन्ना प्रमुख बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। इसके साथ कार्यकर्ताओ को बूथ वाइस व्हाट्स ग्रुप और सरल ऐप भी मोबाइल में इंस्टाल करने और करवाने की जिम्मेदारी भी सौंपी।उन्होंने सभी कार्यकर्ताओ को छः अप्रैल तक बूथ सत्यापन कर लेने के लिए निर्देशित किया।इस मौके पर उन्होंने कहा की सभी कार्यकर्ताओ को हर बूथ मजबूत करना है।इसके लिए प्रत्येक सेक्टर के बूथ पर पन्ना प्रमुख बनाकर बूथ सत्यापन जरूरी हैं।

भाजपा के कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से लगकर पार्टी के दिए कार्य को पूरा करे।जिससे छानबे विधानसभा के प्रत्येक को मजबूत किया जा सके।आप सभी कार्यकर्ताओ ने हर चुनाव में भाजपा को बढ़त दिलाने का कार्य किया है।इसीलिए इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक बूथ के सेक्टर को मजबूत करने में अपना योगदान दे।इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष ज्ञाननेश्वर दुबे,महामंत्री मुकेश सिंह, सूरज कुमार साहू, सौरभ प्रजापति,आदर्श सिंह, नीरज पाण्डेय, कात्यायनी कर्षण मिश्रा, बबलू केसरवानी,विद्या कान्त दुबे, आशीष कुमार प्रकाश जायसवाल ,रमेश सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह, राज बहादुर सिंह,मावेन्द्र सिंह ,रवि प्रताप सिंह, नितिन सिंह,राहुल सिंह,उत्कर्ष सिंह,भोले सिंह, रमेश मौर्य, धनंजय सिंह,पंकज सिंह,पुष्पराज सिंहकौशल गुप्ता, आदित्य तिवारी, कुलदीप सरोज, डिंपल शर्मा चतुर्भुज केशरी, ज्ञान केसरी,ताड़केश्वर केसरी,आशीष केसरी, पिन्टू केसरी, रंजीत चौरसिया, ज्ञाननेश्वर दुबे,सुनील शर्मा, राघवेन्द्र सिंह,सुरेश कुमार केसरी, जय कुमार,अनिल कुमार, मन्जेश कुमार केसरी,विकास सरोज, कुलदीप,ब्लाटर ,संदीप,रीता देवी, शिवम कुमार केसरी,सुनील शर्मा, पिन्टू केसरी,आदित्य तिवारी,बबलू पाल, सुनील सरोज,श्याम नारायण पाल ,नारायण श्रीवास्तव ,दाता कोल, दादू कोल, धर्मेंद्र कोल, प्रकाश कोल, प्रभा शंकर कोल, मोनू कोल, लाल बहादुर कोल, प्रभावती कोल, रामविलास कोल, उर्मिला कोल, राजकुमार पाल, सूरज कोल, अशोक कुमार सिंह ,जितेन्द्र कुमार सिंह,रमाकर सिंह, धीरेन्द्र सिंह,वीरेन्द्र सिंह ,हितेन्द्र सिंह,अनिल केशरी, रोहित केशरी, मनोज मौर्या, मूलचन्द केशरी,कमलेश्वर पाल, भुनेश्वर बिन्द,मातेश्वरी तिवारी,विजय नारायण तिवारी, अशोक तिवारी,महेन्द्र,अर्जुन प्रसाद,पप्पू पाण्डेय,मिश्री लाल, संदीप पाण्डेय,धर्मेन्द्र, भगवान दास,पप्पू वर्मा,राम धनी,मदन वर्मा,मुनी महेश,चिन्ता मणि आदि लोग उपस्थित रहे।

दिव्यांग कलाकार की कहानी, अभी सफर है जारी, दिव्यांग कलाकार के जज्बे को सलाम

प्रखर वाराणसी। खबर यूपी के वाराणसी जिले से जहां सुनहरे सपनों को पूरा करने के लिए भोजपुरी और हिंदी गाना रिलीज करके ऐसे किया कमाल बनारस के संदेश सांवरिया जन्मजात विकलांग पैदा हुए थे, लेकिन इस कमजोरी ने उन्हें अपने जुनून को पूरा करने से नहीं रोका।

संगीत कला की साधना हर कोई नहीं कर सकता, लेकिन जो इस साधना को कर लेता है उसका जीवन सफल हो जाता हैं। यह मानना हर उस कलाकार का है जो सभी चुनौतियों को पार कर के अपने सपनों में संगीत भरने की कोशिश करता हैं। ऐसी ही कहानी एक दिव्यांग कि हैं जो ठीक से चल फिर नहीं पाते लेकिन प्रतिभा में वह सबसे तेज हैं। हम बात कर रहे हैं वाराणसी के रोहनिया विधानसभा अंतर्गत निदौरा (ढोलापुर) गांव के संदेश सांवरिया जो जन्मजात से ही विकलांग पैदा हुए थे, लेकिन इस कमजोरी ने उन्हें अपने जुनून को पूरा करने से नहीं रोका। संदेश सांवरिया हमेशा से ही एक संगीतकार और विशेष रूप से एक भोजपुरी इंडस्ट्री में प्रोड्यूसर बनना चाहते थे।

मीडिया से बात करते हुए संदेश सांवरिया ने कहा कि उन्हें बचपन से ही हिंदी और भोजपुरी गानो का शौक था। विशेष तौर पर भोजपुरी गानों के लिए उनकी आदत धीरे-धीरे बढ़ी जब उन्होंने अपनी संगीत में परफेक्शन हासिल की और यूट्यूब चैनल द्वारा उनको सिल्वर बटन मिला। उन्होंने कहा, "मुझे बचपन से ही भोजपुरी गाना सुनने और गानों को बनाने में दिलचस्पी रही है। सन 2004 से ही भोजपुरी इंडस्ट्री में अथक प्रयास करने के बाद सन 2018 में उन्होंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस "शिव शंभू फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड" कंपनी बनाया। धीरे-धीरे, मैंने फिर अपनी संगीत कला के लिए परफेक्शन हासिल की।"

अपनी विकलांगता के बारे में बात करते हुए वाराणसी के संगीत कलाकार ने कहा कि वह एक लंगी विकलांग और विकृत पैरों के साथ पैदा हुआ था। हालांकि, संदेश सांवरिया को अपने आसपास के लोगों ने कभी भी डिमोटिवेट नहीं किया, सभी ने उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। संदेश सांवरिया के पिता कन्हैया लाल ने गर्व से कहा, "मेरे बेटे के हाथ और पैर पूरी तरह से उसके जन्म पर नहीं बने थे, लेकिन वह बचपन से ही भोजपुरी संगीत सुनना और गाना पसंद करता था। उसके शिक्षकों ने उसकी सराहना की, जिसने उसे और अधिक प्रेरित किया था।"

अभ्यास और धैर्य सफलता की है कुंजी- संदेश सांवरिया आमतौर पर सभी प्रकार के गानों को अपने चैनल पर रिलीज करते हैं।लेकिन उनकी रुचि भोजपुरी संगीत में ज्यादा है। उन्होंने कहा, "भोजपुरी संगीत गाना वास्तव में बहुत मुश्किल है।" भोजपुरी संगीत गाने और प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने तक के सफर की, अपनी कठिनाइयों को बताते हुए संदेश सांवरिया ने कहा, "यह बेहद जरूरी है कि सब कुछ पूरी तरह से अच्छा किया जाए। यहां तक कि एक गलती भी पूरे एल्बम को बर्बाद कर देती है।"

मुश्किल वक्त में मिला दोस्त का साथ- संदेश सांवरिया जन्मजात से ही विकलांग पैदा हुए थे और एक निहायत गरीब परिवार से हैं। उनके जुनून और जोश के आगे किस्मत से भी माथा टेक दिया।और उनके कार्य करने के जज्बे को विकलांग नहीं होने दिया। संदेश सांवरिया ने बताया कि लगभग बीस सालों से भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी किस्मत चमकाने में लगे हैं। अब तक संदेश सांवरिया ने 130 गानों से भी ज्यादा एल्बम रिलीज रिलीज कर चुके हैं। गरीबी और पैसे की किल्लत होने के कारण उनको प्लेटफार्म नहीं मिल रहा था। लेकिन इसी बीच उनको एक मित्र उमाशंकर पटेल नामक मित्र मिला जिन्होंने उनके इस जुनून को देखकर उनका साथ देने का संकल्प लिया। आज दोनों दोस्त साथ में ही भोजपुरी इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में लगे हैं। साथ ही उमाशंकर पटेल एक अच्छे कलाकार भी हैं जो खुद एल्बम में मेन हीरो का रोल भी अदा करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

नृत्य के माध्यम से जल संरक्षण का दिया संदेश

प्रखर रामनगर वाराणसी। नगर स्थित सी बी एस ई से सम्बद्ध संस्था दयावती मोदी एकेडमी में नए अध्यापन सत्र के शुभारंभ के अवसर पर छोटे बच्चों ने जल संरक्षण विषय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो के माध्यम से जल संरक्षण करने का संदेश दिया। छोटे बच्चों ने फलो व सब्जियों की महत्ता के साथ ही इनके उत्पादन में जल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। विद्यालय की छात्रा समीक्षा ने जल दोहन के बारे में बताते हुए जल संरक्षण की विभिन्न विधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में बच्चों के जल संरक्षण के साथ ही आसाम के नृत्य बिहू की आकर्षक प्रस्तुति की। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रंजन राय ने नए सत्र में छात्रों को 21 सदी के छात्र के रूप में अपने आपको तैयार रहने के लिए आवश्यक बाते बताते हुए अनुशासन, शिक्षा व समय के सटीक उपयोग के बारे में जानकारी दी। उपप्रधानाचार्य दीपक शर्मा,हेड मास्टर अभिषेक श्रीवास्तव,हेड मिस्ट्रेस अर्पिता मुखर्जी के निर्देशन बच्चों ने विशेष गीत व नृत्य की प्रस्तुति कर बच्चों के बीच समा बांधा। इस दौरान निशा सिंह,सुधा राय, रीना त्रिपाठी,रविकांत राय आदि लोग मौजूद रहे।

कार सवार एक्सीडेंट के बाद शव को सड़क के किनारे फेंका

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के बाबतपुर -मंगारी रोड पर बुधवार को दोपहर में एक आल्टो कार के धक्के से बाइक सवार की मौत हो गई। मौत के बाद आल्टो कार सवार इलाज के बहाने उसे सड़क के किनारे छोड़ कर भाग निकले। बताया जाता है कि मंगारी के समीप विपरीत दिशा से आ रही आल्टो कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद वह सड़क गिरा और बेहोश हो गया। आसपास के लोगों के विरोध जताने पर वह बाबतपुर स्थित एक निजी अस्पताल अपनी कार से ले गया। जहा चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित करने पर उसे शहर ले जाने के नाम पर कार में बैठाया और थोड़ी दूर जाने के बाद सड़क के किनारे शव को उतार कर भाग निकला। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुची फूलपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद शिनाख्त करने के प्रयास में जुट गई। वही कार सवार फरार हो गए।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने 2 मार्च को गंभीरपुर थाने में लिखित तहरीर दिया कि मेरी नाबालिक लड़की को खोदादपुर गांव निवासी द्वारा बहला फुसला कर भगा ले गया स्थानीय थाने ने २-२३ सहित 363/ 366 धारा में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना की जा रही थी कि बुधवार को उप निरीक्षक राजबहादुर यादव हमराहीयो के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे मुखबीर द्वारा सूचना मिली की थाना गंभीरपुर में एस सी एस टी एक्ट मे पंजीकृत मुकदमे का वांछित नामजद अभियुक्त मोहम्मद साद पुत्र महताब निवासी खुदादपुर थाना निजामाबाद मुहम्मदपुर सैनिक ढाबा के तिराहे पर कहीं भागने की फिराक में खड़ा है जल्दी किया जाए तो पकड़ा जा सकता है मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुए मौके पर जाकर मुखबिर के द्वारा बताएं निशानदेही पर उक्त अभियुक्त को पकड़ लिया गया पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मोहम्मद साद पुत्र महताब थाना निजामाबाद जिला आजमगढ़ बताया।पकड़े गए अभियुक्त को संबंधित धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री के आदेशों को ठेंगा दिखा रहा केराकत प्रशासन

प्रखर केराकत जौनपुर। शासन के निर्देश के बाद भी सड़कों, खेत खलिहानों व बाजारों में घूम रहे आवारा पशुओं को संरक्षित नहीं किया जा सका। जिम्मेदार अधिकारी इसमें पूरी तरह नाकाम होते दिख रहे हैं।गौशाला की बदतर स्थिति की खबर आये दिन अखबारों में प्रकाशित होती रहती है एक ऐसे ही गौशाला की बदहाल स्थिति को उजागर करने वाले पत्रकारों पर मुकदमा होने की खबर इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है खबर प्रकाशित होने के बाद पूरे प्रदेश में गौशाला को लेकर हड़कंप मच गया। बता दे कि केराकत तहसील अंतर्गत आवारा पशुओं को संरक्षित करने के लिए लगभग 6 से 7 गौशाला बनाया गया है बाबजूद इसके भी मवेशी छुट्टा घूम रहे हैं। गो संरक्षण केंद्रों में पशु चिकित्सकों को उनकी देखभाल की जिम्मेदारी दी गई है।इसके बावजूद शहर की सड़कों, चौराहों व बाजारों से लेकर गांव में खेत खलिहानों में आवारा मवेशी खुले घूम रहे हैं। इनको हर हाल में 31 मार्च तक संरक्षित करने का निर्देश शासन ने जिम्मेदारों को दिया था। लेकिन समय सीमा के भीतर इन्हें संरक्षित नहीं किया जा सका।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को पांच अप्रैल तक की मोहलत दी गई थी जिसकी नियाद अब पूरी ही चुकी है बाबजूद इसके भी आवारा पशु सड़क,खेत, खलियानो में घूमते हुए आये दिन देखनो को मिल ही जाती है।अब देखना यह है कि गैरजिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी पर उच्चाधिकारी द्वारा क्या कार्यवाही की जाती हैं देखना दिलचस्प होगा।

एसपी ने केराकत थाने का किया औचक निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय कोतवाली में बुधवार की दोपहर पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा पहुंच थाने का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान थाना कार्यालय,सीसीटीएनएस कक्ष,आवास,महिला डेस्क,भोजनालय एवं थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव के साथ उचित साफ सफाई हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।निरीक्षण के दौरान कोतवाली में कुछ समय के लिए हड़कंप मचा रहा।

सोमालिया में बाढ़ से 21 मौतें, एक लाख विस्थापित

मोगादिशु, (एजेंसी)। सोमालिया में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से करीब 21 लोगों की मौत हो गई है, एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और लाखों की संपत्ति नष्ट हो गई है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि हाल के दिनों में गेडो क्षेत्र के बरधेरे जिले में सबसे भारी बारिश हुई है और सभी मौतें भी यहीं हुई हैं। ओसीएचए ने सोमालिया में अचानक आई बाढ़ पर अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि बाढ़ से छह स्वास्थ्य केंद्र, 200 शौचालय और चार स्कूल नष्ट हो गए। उसने बताया कि 1,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और 3,000 से अधिक बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई है। बाढ़ ऐसे समय में आई है जब सोमालिया गंभीर सूखे का सामना कर रहा है। इसकी वजह से 82.5 लाख से अधिक लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है।

आंध्र प्रदेश में मिला 15 दुर्लभ खनिजों का भंडार

हैदराबाद, (एजेंसी)। एनजीआरआई के वैज्ञानिक पी सुंदर राजू ने बताया कि दो गांवों में अलग-अलग तरह के जिक्रोन को देखा गया है। उन्होंने कहा कि मोनाजाइट के दानों के अंदर कई कलर दिखाई देते हैं, जो रेडियोधर्मी तत्व का संकेत देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन तत्वों के बारे में और गहनता से अध्ययन किया जाएगा। इन तत्वों का उपयोग स्वच्छ ऊर्जा, एयरोस्पेस, रक्षा और स्थायी चुम्बकों को तैयार करने में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इनका उपयोग पवन टर्बाइन, जेट विमान और कई अन्य उत्पाद को बनाने में भी किया जाता है। इन तत्वों को समझने के लिए तीन सौ तरह के नमूने लिए गए हैं। बता दें कि ये भू-वैज्ञानिक देश में कहीं भी खनिज की तलाश कर सकते हैं और इसकी जानकारी केंद्र सरकार को देते हैं।

ट्रेन के इंजन पर चढ़ा यात्री हाईटेंशन लाइन से झुलसा

बहराइच, (एजेंसी)। उप्र में बहराइच के जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन पर चढ़ा एक यात्री हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। रेल विभाग के सूत्रों ने बताया कि मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार को सुबह गोरखपुर के लिए रवाना हुई। ट्रेन जरवल रोड रेलवे स्टेशन से साढ़े चार किमी दूर पिलर संख्या 699/02 के पास लाल सिग्नल मिलने पर ट्रेन को सुबह 8.10 बजे रोका। इसी दौरान एक यात्री ट्रेन से चालक के पीछे बने इंजन पर चढ़ गया। उसने रेलवे स्टेशन पर बने लाइन को पकड़ लिया और झुलस गया। जरवल रोड प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि उसकी पहचान नहीं हो सकी है।उप निरीक्षक पवन कुमार समेत 30 जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने किसी तरह झुलसे यात्री को नीचे उतारा। इसके बाद उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि यात्री के पास झांसी का जला हुआ टिकट मिला है। शायद वह गोरखपुर जा रहा था।

उच्च न्यायालय में खोली रिपोर्ट पर कार्रवाई होगी: सीएम मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को कहा कि नशा

मामले से संबंधित तीन रिपोर्ट, जो हाल में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में खोली गई हैं, पर उनकी सरकार कार्रवाई करेगी। श्री मान ने ट्वीट कर कहा कि पंजाब में नशा मामले से संबंधित कई साल से बंद पड़े माननीय हाई कोर्ट द्वारा खोले गए तीन लिफ़ाफ़े सरकार के पास पहुँच गए हैं..पंजाब की जवानी को नशे से बर्बाद करने वालों के खिलाफ सख़्त क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय ने 28 मार्च को एसआईटी की तरफ से सौंपे गये चार सीलबंद लिफाफों में से तीन की रिपोर्ट खोली थीं। यह रिपोर्ट चार साल पहले सौंपी गई थीं।

आज का इतिहास

- **1930:** महात्मा गांधी अपने अनुयायियों के साथ नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी पहुंचे।
- **1949:** भारत स्काउट एंड गाइड की स्थापना हुई।
- **1957:** देश और दुनिया में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से केरल में संपन्न चुनाव के बाद कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई और ईएमएस नंबूदरीपाद ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।
- **1961:** भारत सरकार की ओर से प्रायोजित पहली 'इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड कंपनी' की स्थापना।
- **1964:** नौसेना ने पहली बार राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया।
- **1979:** देश का पहला नौसेना संग्रहालय मुंबई में खुला।
- **1991:** अंतरिक्ष यान एसटीएस 37 (अटलांटिस 8) का प्रक्षेपण किया गया।

रामनवमी मामले में ममता का पलटवार, ओवैसी ने खोला मोर्चा

बंगाल और बिहार की हिंसा पर भाजपा ने राज्य सरकारों को घेरा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और बिहार में हुई हिंसा की घटना को लेकर राज्य सरकारों और बीजेपी के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। दोनों राज्यों में गुरुवार को रामनवमी के दिन हिंसा हुई थी। इस दौरान शोभायात्रा पर पथराव किया गया और वाहनों में आग लगाई गई थी। हिंसा के बाद प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल में रामनवमी के दौरान हुई हिंसा पर राज्य सरकार से मंगलवार 4 अप्रैल को एक विस्तृत रिपोर्ट भी

मांगी है। हिंसा की इन घटनाओं को लेकर भाजपा ने बिहार और बंगाल की सरकार पर निशाना साधा, जिसके बाद टीएमसी और बिहार सरकार की ओर से भी पलटवार किया।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को रामनवमी पर हुई हिंसा की घटनाओं को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर ताजा हमला किया और उन पर अल्पसंख्यक वोटों के लिए तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

ममता बोलीं हिंसा में भाजपा का हाथ

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी मंगलवार को भाजपा पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हुगली और हावड़ा में हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने बंगाल में हिंसा के लिए अन्य राज्यों से गुंडों को मंगाया। मुझे हर वक्त अलर्ट रहना होता कि भाजपा कब कहां जाकर दंगा कर दे। ये लोग समझते नहीं हैं बंगाल के लोग दंगा पसंद नहीं करते। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि वे एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ाकर हिंदू धर्म को बदनाम कर रहे हैं, लेकिन दंगाइयों का कोई धर्म नहीं है, वे महज राजनीतिक गुंडे हैं। मैं हर किसी से शांति बरतने की अपील करती हूं। वह दंगाइयों को बच कर भागने नहीं देंगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न ममता रोक पाईं न नीतीश से संभल सका: ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी दोनों राज्यों सरकारों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने कहा कि ये राज्य सरकारों की विफलता है, चाहे वह पश्चिम बंगाल सरकार हो या बिहार सरकार, या फिर कर्नाटक में इदरीस पाशा की मॉब लिंचिंग। सरकार क्या कर रही थी? बरसों से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार इसे रोक नहीं पाए हैं। मैं नीतीश कुमार और राजद सरकार के व्यवहार की निंदा करता हूं कि वे इस मदरसे को जलाने और मस्जिद पर हमले को रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं। इसके अलावा, बिहार में मुसलमानों की संपत्तियों को लक्षित तरीके से जलाया गया था। ओवैसी ने आगे कहा कि जब भी किसी राज्य में हिंसा होती है तो उसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। बिहारशरीफ में मदरसे को आग के हवाले कर दिया गया और मुसलमानों की दुकानों को निशाना बनाया गया। इसके पीछे साजिश है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जानते थे कि नालंदा एक संवेदनशील जिला है, फिर भी वहां अशांति थी।

पंजाब: पत्नी, बेटे और पालतू कुत्ते को मारी गोली, फिर एएसआई ने भी किया सुसाइड

गुरदासपुर, (एजेंसी)। पंजाब के गुरदासपुर में पंजाब पुलिस के एएसआई भूपिंदर सिंह ने 40 साल की पत्नी बलजीत कौर और 19 साल के बेटे बलप्रीत सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी साथ ही अपने पालतू कुत्ते को भी गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद एएसआई भूपिंदर सिंह ने खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

घटना का कारण तलाश रही पुलिस

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, गांव के सरपंच परमजीत सिंह ने बताया कि उनको सूचना मिली कि गांव के रहने वाले एएसआई भूपेंदर सिंह ने घर में अपनी सर्विस गन से पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी है। अपने पालतू कुत्ते को भी गोली मार दी।

वहीं, वारदात को अंजाम देते समय गांव की जिस महिला ने देखा था, उसको भी एएसआई अगवा कर अपने साथ लेकर फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने महिला का चेकअप सिविल अस्पताल में करवाया। सरपंच ने कहा कि इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि एएसआई भूपिंदर सिंह ने खुद को गोली मार ली है।

नैनी, बांदा और बरेली जेल के अधीक्षक किए निलंबित

लखनऊ, (ब्यूरो)। यूपी सरकार ने नैनी, बरेली तथा बांदा के जेल अधीक्षकों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह को अतीक अहमद को 28 मार्च को उम्र कैद की सजा में नैनी सेंट्रल जेल जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह ने अतीक को जेल मे लेने से मना कर दिया था। वहीं, बरेली जेल के अधीक्षक राजीव कुमार शुक्ला को भी निलंबित किया। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को जेल में सुविधाएं मुहैया कराने के मामले में निलंबन की कार्रवाई की गई। वहीं बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी बंद है। इस जेल में डीजी जेल की ओर से खुफिया जांच कराई गई थी, जिसमें डीआईजी जेल की रिपोर्ट के आधार पर जेल अधीक्षक अविनाश गौतम पर निलंबन की कार्रवाई की गई ।

यूजर ने ट्वीट किया कॉपी पेस्ट सीएम, हिमंत बोले सीख रहा हूं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार 4 अप्रैल को उन्हें कॉपी पेस्ट वाले सीएम बताने पर जवाब दिया है। दरअसल, सीएम सरमा राज्य के एक स्कूल गए थे। उन्होंने विजिटर बुक में कुछ लिखा था, जिसको लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा जा रहा है कि इसको लेकर पहले से टेक्स्ट लिखकर लाए थे। ट्विटर यूजर रोशन राय ने ट्वीट किया कि असम के सीएम जो कि विजिटर बुक में एक पैराग्राफ बिना कॉपी किए हुए नहीं लिख सकते।

इस पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जवाब दिया कि मैं असमी मीडियम स्कूल गया था। मैं हिंदी व अंग्रेजी सीख रहा हूं। मैं स्वीकार करता हूं कि हिंदी-अंग्रेजी मुझे अच्छे से नहीं आती। एक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आप (सरमा) ऐसे ट्वीट का जवाब मत दीजिए।

राहुल के सस्पेंशन पर लोकसभा स्पीकर को लिखा खत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र लिखा है। चौधरी ने इसमें राहुल गांधी की संसदीय सदस्यता खत्म होने के मामले में उठाते हुए लिखा एक अन्य नेता के ऊपर लगे आरोपों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि किसी भी सदस्य को बर्खास्त करने के लिए दो मुख्य नियमों पर ध्यान दिया जाता है, उन्होंने कहा

नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन ने की संसद में चर्चा की मांग

कि राहुल गांधी के केस में दूसरे नियम पर ध्यान नहीं दिया गया है। अधीर रंजन ने अपने खत में गुजरात के अमरेली से लोकसभा क्षेत्र से सांसद नारनभाई कछड़िया का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि नारनभाई पर आईपीसी की धारा 332, 186 और 143 के तहत अपराधों का दोषी ठहराया गया था। इस मामले में उन्हें सजा भी सुनाई गई थी।

नारनभाई को 332 के तहत तीन साल की सजा और 143 के तहत 6 महीने की सजा सुनाई गई थी। कुल उन्हें साढ़े तीन साल की सजा दी गई थी। इस मामले में कछड़िया ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल 2016 को उनके कनविक्शन पर स्टे देने से इनकार किया था। हालांकि हाईकोर्ट ने उनकी सजा को सस्पेंड किया था।

अधीर रंजन ने सवाल उठाया है कि प्रतिनिधि अधिनियम 1951 के सेक्शन 8 के तहत उनकी संसदीय सदस्यता रद्द की जानी चाहिए थी लेकिन उस वक्त के तत्कालीन लोकसभा स्पीकर ने उन पर कोई एक्शन नहीं लिया। अधीर रंजन ने लिखा कि यह दिलचस्प है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने 2 साल की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले के मद्देनजर उन्हें लोकसभा से अयोग्य करार दिया गया। इसके बावजूद कि राहुल की सजा उसी अदालत ने सस्पेंड कर दी थी। अधीर रंजन ने अपने खत में एक और बात को हाईलाइट किया है। किसी भी सदस्य की सदस्यता रद्द करने के लिए दो कंडीशन्स का पालन करना जरूरी होता है।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान खत्म करना तानाशाही मनोवृत्ति

लोकतंत्र सेनानी संघ अदालत समेत सभी फोरम पर करेगा इसका कड़ा विरोध

नई दिल्ली/ग्वालियर, (आरएनएन)। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद कैलाश सोनी ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान और सम्मान निधि बंद करने के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने एकबार फिर सम्मान समाप्त कर लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। लोकतंत्र के नाम पर घड़ियालू आंसू बहानेवाली कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनी ने देश भर के लोकतंत्र सेनानियों की प्रदेश इकाईयों से इस निर्णय का लोकतांत्रिक तरीके से प्रतिकार करने के निर्देश दिए हैं।

लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल में कांग्रेस सरकार की तानाशाही को समाप्त करने के लिए आंदोलन किया जिसके कारण लोकतंत्र बहाल हुआ। अगर उस समय लोकतंत्र बहाल नहीं होता तो आज हिमाचल में कांग्रेस की सरकार भी नहीं होती। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी संघ सभी फोरम पर इसका कड़ा विरोध करेगा। न्यायालय के दरवाजे भी खटखटाएंगे। हिमाचल के राज्यपाल से भी अनुरोध करेंगे कि लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समाप्त करने वाले विधेयक को स्वीकृति प्रदान नहीं करें। कांग्रेस का यह कदम गैर प्रजातांत्रिक है। हर स्तर पर कांग्रेस के लोकतंत्र विरोधी इस कदम का विरोध किया जाएगा।

बिना जनेऊ के राम, सीता की मांग में नहीं सिंदूर

बॉलीवुड फिल्म आदिपुरुष का नए पोस्टर पर फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत, प्रोड्यूसर भूषण कुमार और एक्टर्स के नाम पर मुंबई के साकीनाका पुलिस स्टेशन में संजय दीनानाथ तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई है, फिल्म के पोस्टर ने हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। पोस्टर में कृति सेनन को अविवाहित महिला के तौर पर बगैर सिंदूर के दिखाया है। वहीं राम बिना जनेऊ पहने दिखाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि बॉलीवुड फिल्म निर्माता निर्देशक एवं कलाकारों ने ऐसा जानबूझकर किया है। ऐसा कर के वो सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। ये बेहद निंदनीय है। आदिपुरुष के पोस्टर ने हिंदू धर्म का अपमान किया है।

अरुणाचल: अलग नामकरण को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का चीन द्वारा अलग नामकरण किए जाने को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि इससे वास्तविकता नहीं बदलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। श्री बागची ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है तथा रहेगा। इस प्रकार के अविष्कृत नामकरण करने के प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदल सकते हैं। रिपोर्टों के अनुसार चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों के नाम बदलने का ऐलान किया है।

भाजपा ने कथित कोयला घोटाले को लेकर कांग्रेस को लिया आढ़े हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा है। यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों को लेकर भाजपा ने 'कांग्रेस फाइल्स' पार्ट-3 जारी की है। इसमें भाजपा ने यूपीए सरकार के दौरान हुए कथित कोयला घोटाले को लेकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। इसके पहले भाजपा ने वीडियो सीरीज जारी कर आरोप लगाया था कि यूपीए सरकार के दौरान 48,20,69,00,00,000 रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। वीडियो में कहा गया है कि यह इतना सारा रुपए है कि जुबान तक लड़खड़ा जाए।

खुशखबरी चिकित्सकों का जनहितैषी कानून पर सहमत होना सुखद संकेत: गहलोत

डाक्टरों के काम पर लौटने की उम्मीद

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में कष्ट नहीं पाए, इस सोच के साथ राज्य सरकार 'स्वास्थ्य का अधिकार' (आरटीएच) लेकर आई है और यह प्रसन्नता की बात है कि बिल के संबंध में चिकित्सकों के समक्ष रखे गए प्रस्ताव पर सहमति बनी है, इससे राजस्थान 'राइट टू हैल्थ' लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा।

श्री गहलोत ने मंगलवार को राज्य सरकार एवं चिकित्सकों के बीच 'स्वास्थ्य का अधिकार' बिल को लेकर सहमति बनने पर कहा कि सभी प्रदेशवासियों ने इस बिल के पक्ष में राज्य सरकार का सहयोग किया और आगे बढ़कर इस जनहितैषी बिल का स्वागत किया है। अब चिकित्सकों की भी इस महत्वपूर्ण बिल पर सहमति बनना सुखद संकेत है। उन्होंने

आशा व्यक्त की है कि सभी चिकित्सक तुरंत प्रभाव से काम पर वापस लौटेंगे और स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आरजीएचएस जैसी योजनाओं को सरकारी एवं निजी अस्पताल मिलकर सफल बनाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निजी एवं सरकारी अस्पतालों ने जिस तरह कोविड का बेहतरीन प्रबंधन कर मिसाल कायम की, उसी तरह इन योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर ''राजस्थान मॉडल ऑफ पब्लिक हैल्थ'' पेश करेंगे। इससे पहले मुख्य सचिव निवास पर प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा टी. रविकांत एवं आईएमए, उपचार तथा पीएचएनएस के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर दोनों पक्षों की ओर से सहमति व्यक्त की गई।

समझौते के अनुसार 'स्वास्थ्य का अधिकार' लागू करने के प्रथम चरण में 50 बेड से कम के निजी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाएगा। जिन निजी अस्पतालों ने सरकार से कोई रियायत नहीं ली है या अस्पताल के भू-आंवटन में कोई छूट नहीं ली है, उन पर भी इस कानून की बाध्यता नहीं होगी।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन का 31वां सदस्य बना फिनलैंड

हेल्सिंकी, (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच, यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। रूस की नाराजगी के बावजूद फिनलैंड मंगलवार को नाटो का 31वां सदस्य बन गया।

रूस से लगी नाटो देशों की सीमा हुई दोगुनी

फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के बाद अब रूस से लगने वाली नाटो देशों की सीमा पहले की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। बता दें कि फिनलैंड की करीबन 1300 किलोमीटर से लंबी सीमा ऐसी है जो रूस से सटी हुई है। ऐसे में यह यूक्रेन के साथ जारी तनाव के बीच रूस के चिंता का कारण बन सकता है। इससे पहले, गुरुवार को तुर्की की संसद में फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनने की मंजूरी दी गई थी। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहले हमने नहीं सोचा था कि फिनलैंड हमारा सदस्य बन जाएगा। लेकिन अब वे हमारे गठबंधन के पूर्ण सदस्य होंगे।

यह वास्तव में ऐतिहासिक है। हालांकि क्रेमलिन ने इस कदम को रूस की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर हमला करार दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि यह रूस की सुरक्षा पर हमला है। इस कदम के बाद हम सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से जवाबी उपाय करने के लिए मजबूर होंगे।

त्रिपुरा का लक्ष्य बांस से हरित हाइड्रोजन उत्पादन करना: साहा

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि राज्य स्वच्छ ऊर्जा के लिए बांस का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा। जी20 के दो दिवसीय विज्ञान-2 सम्मेलन की मेजबानी के अनुभव को साझा किया।

डॉ. साहा ने कहा कि वैश्विक विशेषज्ञों से पता चला कि बांस बायोमास ऊर्जा में जीवाश्म ईंधन का विकल्प बनने की बड़ी क्षमता है, जो कि विभिन्न ऊर्जा उत्पादों (चारकोल, सिनगैस और जैव ईंधन) का उत्पादन करने के लिए थर्मल और जैव रासायनिक रूपांतरण में संसाधित किया जा सकता है, जो मौजूदा जीवाश्म ईंधन का विकल्प हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

इसुजु के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। वाहन कंपनी इसुजु मोटर्स इंडिया ने राजेश मित्तल को अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि मित्तल, देश के परिचालन का नेतृत्व करने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। वह वातारू नाकानो का स्थान लेंगे, जो वियतनाम में इसुजु परिचालन के प्रमुख बनाए गए हैं। मित्तल फरवरी, 2022 में इसुजु इंजीनियरिंग बिजनेस सेंटर इंडिया के अध्यक्ष और आईएमआई के उपाध्यक्ष के रूप में कंपनी की शीर्ष प्रबंधन समूह में शामिल हुए थे।

महावीर जयंती पर बाजार बंद

नई दिल्ली/मुंबई। महावीर जयंती के मौके पर मंगलवार को देश के अधिकतर बाजारों व कार्यालयों में अवकाश रहा। इस उपलक्ष्य पर मुंबई में बंबई शेयर बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, थोक सर्राफा बाजार और जिंस बाजार में अवकाश रहा। इसके अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी बाजारों में महावीर जयंत का अवकशा रहने के समाचार मिले हैं। उत्तर भारत के अधिकतर शहरों में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में अवकाश के कारण कोई कामकाज नहीं हुआ।

टाटा इंटरनेशनल में नियुक्ति

नई दिल्ली। टाटा समूह की व्यापार और वितरण इकाई टाटा इंटरनेशनल ने राजीव सिंघल को अपना मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सिंघल ने एक अप्रैल, 2023 से कार्यभार संभाल लिया और वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आनंद सेन को रिपोर्ट करेंगे। इसमें कहा गया है कि कंपनी के सभी कार्यक्षेत्र के प्रमुख, सिंघल को रिपोर्ट करेंगे।

हीरो रियल्टी का करार

नई दिल्ली। हीरो रियल्टी ने गुरुग्राम में 20 लाख वर्गफुट क्षेत्र में मिश्रित उपयोग वाली परियोजना के विकास के लिए साहेब एंटरप्राइज के साथ करार किया है। इस परियोजना से 2,000 करोड़ रुपए का संभावित बिक्री राजस्व मिलने का अनुमान है। कंपनी की प्रवर्तक सुनील कांत मुंजाल की हीरो एंटरप्राइज है। हीरो रियल्टी ने आवास एवं वाणिज्यिक परिसरों के निर्माण के लिए साहेब एंटरप्राइज के साथ संयुक्त विकास समझौता किया है। साहेब एंटरप्राइज के पास आठ एकड़ भूमि है।

मलिक चेयरमैन नियुक्त हुए

नई दिल्ली। फिनलैंड चैंबर आफ कामर्स ने संजय मलिक को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। नोकिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और भारतीय बाजार के प्रमुख मलिक की नियुक्ति 2023-24 के लिए की गई है। वह फोर्टम इंडिया के अध्यक्ष संजय अग्रवाल का स्थान लेंगे। भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार 2022 में पहली बार एक अरब डालर के ऊपर रहा। मलिक ने नियुक्ति के बाद उद्योग मंडल के सदस्यों से कहा, 'भारत का महत्वाकांक्षी वृद्धि एजेंडा फिनलैंड की कंपनियों को देश में अपने तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों और समाधानों का उपयोग करने के लिए व्यापक अवसर प्रदान करता है।'

वेदांता पर कर्ज का बोझ

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल की वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2023-24 में ब्याज सहित तीन अरब डालर का कर्ज चुकाना है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने यह जानकारी दी। रेटिंग एजेंसी ने अनुमान जताया कि कंपनी के पास दिसम्बर, 2023 तक पर्याप्त नकदी होगी। एसएंडपी ने बयान में कहा कि वेदांता अपनी एक परिचालन कंपनी के जरिए एक अरब डालर का कर्ज जुटाने के बेहद करीब है। बयान के मुताबिक, 'भारत स्थित प्राकृतिक संसाधान कंपनी को तीन अरब डालर का कर्ज चुकाना है, जिसमें ब्याज और कंपनियों के बीच कर्ज शामिल है।

डिजिटल बैंकिंग बाधित

मुंबई। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं तकनीकी खामी की वजह से सोमवार को कुछ घंटों के लिए बाधित रहीं जिससे उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। एसबीआई ने देर शाम जारी बयान में 'तकनीकी गड़बड़ी' की बात कबूल की। बैंक ने कहा, "हमें खेद है कि एक तकनीकी खामी की वजह से हमारी कुछ डिजिटल सेवाएं तीन अप्रैल, 2023 को कुछ घंटों तक प्रभावित रहीं।" हालांकि, बैंक ने इस समस्या के दूर हो जाने का दावा करते हुए कहा कि अब डिजिटल बैंकिंग सेवाएं बहाल हो गई है।(एजेंसी)

चालू वित्त वर्ष में दशक के निम्न स्तर पर होगा बैंक एनपीए

■ मार्च 2023 में खत्म वित्त वर्ष में 4.2% रहेगा एनपीए ■ कारपोरेट कर्ज में सुधार है एनपीए में कमी की मुख्य वजह

मुंबई (भाषा)।

बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में घटकर दशक के निचले स्तर 3.8 प्रतिशत पर आ जाएंगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि हाल में खत्म हुए वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में एनपीए घटकर 4.2 प्रतिशत रह जाएगा। इससे एक साल पहले यह आंकड़ा 5.9 प्रतिशत था। इससे पहले अनुमान जताया गया था कि 2023-24 के अंत में एनपीए चार प्रतिशत रहेगा।

क्रिसिल ने कहा कि बैंक एनपीए में कमी की एक बड़ी वजह अधिक मूल्य वाले कारपोरेट ऋण में सुधार है। इस खंड में सकल एनपीए दो प्रतिशत से कम रह गया है। कारपोरेट कई उपायों के जरिए अपने कर्ज में कमी कर रहे हैं। इसके अलावा मजबूत जोखिम प्रबंधन और जांच-पड़ताल से भी बैंकों को एनपीए कम करने में मदद मिली है। खुदरा खंड में असुरक्षित ऋण को बट्टे खाते में डालने के बारे में पूछने पर एजेंसी के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा कि कुल ऋण में उनकी बहुत छोटी हिस्सेदारी है।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग उद्योग के कुल ऋण में खुदरा क्षेत्र की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें आधा आवास ऋण और एक चौथाई वाहन ऋण है। बाकी कर्ज, जिसमें असुरक्षित क्रेडिट कार्ड और वैयक्तिक ऋण शामिल है, उनकी खुदरा ऋण में एक-चौथाई हिस्सेदारी है।

एचडीएफसी बैंक का ग्राहकों को कर्ज 17 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का ग्राहकों को दिया जाने वाला कर्ज मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही के अंत में 16.9 प्रतिशत बढ़कर 16 लाख करोड़ रुपए रहा।

एचडीएफसी बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 31 मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में बैंक का ग्राहकों पर बकाया कर्ज 13.6 लाख करोड़ रुपए था। तिमाही आधार पर बैंक की वृद्धि 6.2 प्रतिशत रही। दिसम्बर, 2022 तिमाही में कर्ज राशि 15.06 लाख करोड़ रुपए थी।

बैंक के अनुसार, घरेलू खुदरा कर्ज मार्च, 2022 की तुलना में 21 प्रतिशत और दिसम्बर, 2022 की तुलना में करीब पांच प्रतिशत बढ़ा।

एशिया की वृद्धि दर को मजबूती देंगे भारत-चीन

■ एशिया की वृद्धि दर 4.8%रहने का अनुमान

बैंकाक (एपी)।

भारत में मजबूत मांग और चीन का महामारी से उबरना इस वर्ष एशिया में मजबूत आर्थिक वृद्धि के कारक बनेंगे। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा। इसमें कहा गया कि एशिया इस वर्ष तथा अगले वर्ष 4.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा जो 2022 के 4.2 प्रतिशत से अधिक है।

एडीबी ने हालिया अनुमान में कहा कि इस वर्ष मुद्रास्फीति में कमी आने के आसार है और यह 2024 में और भी कम होगी। हालांकि संस्थान के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कमी के फैसले की वजह से तेल के दामों में तेजी आ सकती है जिससे मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ेगा जो क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

रिपोर्ट का विश्लेषण इस अनुमान पर आधारित है कि ब्रेंट क्रूड तेल इस वर्ष 88 डालर प्रति बैरल और अगले वर्ष 90 डालर प्रति बरैल रहेगा। तेल के दाम इस स्तर के नीचे ही बने हुए थे, सोमवार को यह 83 डालर प्रति बैरल था। लेकिन सऊदी अरब समेत प्रमुख तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कमी करने की घोषणा के बाद दामों में पांच प्रतिशत की तेजी आई।

एडीबी में मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा, 'तेल के दाम और भी बढ़ सकते है जो क्षेत्र के लिए एक और चुनौती खड़ी करेगा।' उन्होंने कहा कि एशिया में मुद्रास्फीति माल के बजाए पर्यटन जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग पर अधिक निर्भर करेगी। दामों में तेजी लाने वाला अन्य कारक होगा चीन का धीमी वृद्धि से तेजी वृद्धि की ओर बढ़ना क्योंकि वहां कोविड-19 पाबंदियां दूर हो गई है। एडीबी का अनुमान है कि चीन की अर्थव्यवस्था इस वर्ष पांच प्रतिशत और अगले वर्ष 4.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। पिछले वर्ष यह तीन प्रतिशत रही थी। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। 2021 में यह आंकड़ा 9.1 प्रतिशत और पिछले वर्ष 6.8 प्रतिशत था।

■ भारत में भारी मांग और चीन का कोविड से उबरना होगी वृद्धि की वजह
■ इस वर्ष महंगाई दर में कमी आने के हैं अच्छे आसार
■ एशिया में माल की बजाए पर्यटन पर निर्भर होती है मुद्रास्फीति की दर

विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की जीडीपी वृद्धि 2023-24 में खपत में कमी आने की वजह से धीमी पड़कर 6.3 प्रतिशत पर आ सकती है जो पहले के 6.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है। विश्व बैंक ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह कहा। विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि के अपने ताजा अनुमान में कहा कि खपत में धीमी बढ़ोतरी होने और चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों की वजह से वृद्धि बाधित हो सकती है। इसमें कहा गया, 'आय में धीमी वृद्धि और कर्ज के महंगा होने का असर निजी उपभोग की वृद्धि पर पड़ेगा। महामारी से संबंधित वित्तीय समर्थन के कदमों को वापस लेने की वजह से सरकारी खपत की रफ्तार भी कम रहने का अनुमान है।'

आईओसी की बाजार हिस्सेदारी में हुई वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को कहा कि उसकी ईंधन बाजार में हिस्सेदारी 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में बढ़कर 43 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस दौरान कंपनी की सभी इकाइयों का प्रदर्शन बेहतर रहा। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

देश की शीर्ष पेट्रोलियम कंपनी आईओसी की रिफाइनियों से रिकार्ड तेल का शोधन हुआ जबकि ईंधन बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी। कंपनी की पाइपलाइन का विस्तार भी 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में सर्वाधिक रहा। देश की कुल तेल रिफाइनरी क्षमता में कंपनी की हिस्सेदारी एक-तिहाई है। जबकि ईंधन की खुदरा बिक्री बुनियादी ढांचा करीब आधा है। कंपनी के पेट्रोल पंपों की संख्या करीब 1,800 है।

आईओसी के चेयरमैन एसएम वैद्य ने कहा कि कंपनी की रिफाइनियों ने 2022-23 में 7.24 करोड़ टन कच्चे तेल का शोधन किया जो अब तक का सर्वाधिक है। इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 6.77 करोड़ टन का तेल शोधन किया था। पाइपलाइन के जरिये आपूर्ति उछलकर 9.47 करोड़ टन पर पहुंच गई जो इससे बीते वित्त वर्ष 2021-22 में 8.32 करोड़ टन थी। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में करीब 2,450 किलोमीटर पाइपलाइन का विस्तार किया।

उन्होंने कहा, 'चुनौतियों के बावजूद हमारी टीम की दृढ़ता और हमारे सामने आने वाली हर चुनौती से ऊपर उठने का दृढ़ संकल्प सबसे अलग रहा।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 14 फीसद बढ़ी

■ आटो डीलर्स संगठनों के महासंघ फाडा ने दी ये जानकारी

नई दिल्ली (भाषा)।

इलेक्ट्रानिक कलपुर्जों की आपूर्ति में सुधार से देश में यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री मार्च महीने में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,35,266 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों का पंजीकरण का आंकड़ा 3,35,266 इकाई पर पहुंच गया। मार्च, 2022 में यह संख्या 2,93,016 इकाई रही थी। फाडा ने बयान में कहा कि दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री भी पिछले महीने 12 प्रतिशत बढ़कर 14,45,867 इकाई हो गई। एक साल पहले इसी महीने में 12,86,109 दोपहिया वाहन बिके थे।

इसी तरह, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी पिछले महीने बढ़कर 92,790 इकाई रही। यह आंकड़ा पिछले साल मार्च के 84,124 इकाई से 10 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि के दौरान तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 69 प्रतिशत बढ़कर 86,857 इकाई पर पहुंच गई। वहीं ट्रैक्टर बिक्री पिछले महीने चार प्रतिशत बढ़ी। यह 78,070 इकाई से बढ़कर 81,607 इकाई पर पहुंच गई। पिछले महीने कुल वाहन पंजीकरण बढ़कर 20,41,847 इकाई हो गया। यह मार्च, 2022 में पंजीकृत 17,92,802 इकाई के आंकड़े से 14 प्रतिशत अधिक रहा। आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष 2022-23 मे यात्री वाहनों का पंजीकरण 23 प्रतिशत बढ़कर 36,20,039 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में यह 29,42,273 इकाई था।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 में 1,34,94,214 इकाई से 19 प्रतिशत बढ़कर 1,59,95,968 इकाई हो गई। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री समाप्त वित्त वर्ष में 33 प्रतिशत बढ़ी। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 84 प्रतिशत और ट्रैक्टरों क खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

वहीं इस दौरान कुल वाहन बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 2,21,50,222 इकाई हो गई। वित्त वर्ष 2021-22 कुल 1,83,27,326 वाहन बिके थे।

■ दुपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में हुई 12% की वृद्धि
■ वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में दर्ज किया गया 10 फीसद का इजाफा

एफटीपी माफी योजना के दायरे में नहीं हैं धोखाधड़ी और सही जानकारी नहीं देने के मामले

नई दिल्ली (भाषा)। नई विदेश व्यापार नीति के तहत घोषित माफी योजना के तहत धोखाधड़ी को लेकर जारी जांच और पूंजीगत वस्तुओं की सही जानकारी नहीं देने के मामलों को अलग रखा जाएगा।

सरकार ने 31 मार्च को जारी नई विदेशी व्यापार नीति (एफटीपी) में निर्यातकों को प्रोत्साहन देने के लिए उन निर्यातकों को राहत दी है जो अपनी निर्यात बाध्यताएं पूरी नहीं कर पाए।

इसमें अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत उत्पाद(ईपीसीजी) योजनाओं के तहत निर्यात बाध्यताओं में चूक को लेकर एकमुश्त निपटान के लिए आम माफी योजना शुरू की गई है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा, 'जांच के तहत मामले या धोखाधड़ी, सामान या पूंजीगत वस्तुओं को लेकर गलत घोषणा से जुड़े मामलों को योजना के दायरे से बाहर रखा जाएगा।' डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली इकाई है। यह देश के निर्यात और आयात से जुड़े मामलों पर नजर रखता है।

ईपीसीजी निर्यात संवर्धन की एक योजना है।

इसके तहत एक निर्यातक निर्यात बाध्याताओं के अधीन निर्यात से संबंधित प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए शून्य शुल्क पर पूंजीगत वस्तुओं की एक निश्चित मात्रा का आयात कर सकता है।

वैगन आर व आल्टो के-10 को कम सुरक्षा रेटिंग

■ दुर्घटना परीक्षण में हुआ इसका खुलासा ■ हम सुरक्षा नियमों का पालन करते हैं : मारुति

नई दिल्ली (भाषा)। वाहन सुरक्षा समूह ग्लोबल एनसीएपी ने मंगलवार को मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के लोकप्रिय माडल- 'वैगनआर' और 'आल्टो के10' को दुर्घटना परीक्षण के बाद वयस्कों की सुरक्षा के लिए क्रमशः एक और दो स्टार सुरक्षा रेटिंग दी है। ग्लोबल एनसीएपी के ताजा दौर के दुर्घटना परीक्षण में दोनों माडल को बच्चों की सुरक्षा के लिए 'शून्य' स्टार दिया गया है।

हालांकि, मारु ति ने कहा है कि उसके वाहन भारत के दुर्घटना सुरक्षा नियमनों को पूरा करते है। ये नियमन यूरोप के मानकों के अनुरूप है। ग्लोबल एनसीएपी किसी वाहन को उनकी सुरक्षा खूबियों के आधार पर शून्य से पांच तक की रेटिंग देता है। ऊंची रेटिंग वाले वाहनों को लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है। ग्लोबल एनसीएपी के नवीनतम परीक्षण के अनुसार, आल्टो के10 ने सामने से दुर्घटना होने पर बालिग व्यक्ति की छाती से सिर तक चोट के मामले में मामूली से स्थिर प्रदर्शन किया। लेकिन बगल से टक्कर होने पर छाती पर चोट के मामले में इसकी सुरक्षा कमजोर है।

वैगनआर ने दुर्घटना की स्थिति में चालक की छाती पर चोट लगने के मामले में कमजोर प्रदर्शन किया। ग्लोबल एनसीएपी के महासचिव एलेजांद्रो फुरास ने कहा, 'हम भारतीय वाहन विनिर्माताओं और कुछ वैश्विक वाहन कंपनियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया पाकर खुश है। हालांकि, कुछ सीमित सुधार हुआ है। हमने अभी तक सबसे लोकप्रिय मारुति सुजुकी मॉडल में इस सुरक्षा प्रतिबद्धता को नहीं पाया है।' उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि भारत में बेचे जाने वाले नए माडल के लिए छह एयरबैग एक अनिवार्यता है।

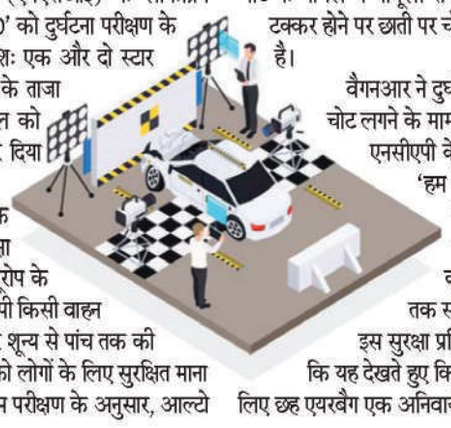

सामान्य कार्गो के साथ एक्सप्रेस डिलीवरी को बराबरी का मौका दे सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार को सामान्य कार्गो के साथ एक्सप्रेस डिलिवरी को बराबरी का मौका देने के लिए व्यापार प्रोत्साहन संबंधी सुधारों को तेज करना चाहिए। आर्थिक शोध संस्थान इक्रियर ने मंगलवार को यह सुझाव दिया।

इक्रियर ने 'भारत2047 की ओर यात्रा के समर्थन में एक्सप्रेस डिलिवरी सेवाएं' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि सरकार को एक्सप्रेस डिलिवरी सेवाओं (ईडीएस) के जरिये निर्यात पर सभी मूल्य सीमाएं खत्म करनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे छोटे और मझोले उद्यमियों (एसएमई) को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जुड़ने में मदद मिलेगी।

इस साल मजबूत होकर ₹79 प्रति डालर पर पहुंचेगा रुपया

मुंबई (भाषा)। चालू खाते का घाटा (कैड) कम होने से रुपए को अमेरिकी डालर के मुकाबले मजबूती मिलेगी। रुपया चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 79 प्रति डालर के स्तर तक मजबूत हो सकता है। यूबीएस सिक्योरिटीज यह अनुमान जताया है। ब्रोकरेज फर्म की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने एक टिप्पणी में कहा कि रुपया वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक मजबूत होकर 79 प्रति डालर के स्तर पर पहुंच सकता है, जबकि 2022-23 में यह औसतन 82 प्रति डालर के स्तर पर था।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में रुपये में उतार-चढ़ाव जारी रहने का अनुमान है, क्योंकि वैश्विक वित्तीय स्थिरता को लेकर जोखिम बने हुए है। इसके बाजवूद उन्होंने उम्मीद जताई की स्थानीय मुद्रा मजबूत होकर वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में डालर के मुकाबले 79 के स्तर पर पहुंच जाएगी। गुप्ता ने कहा कि कैड कम होने और डालर के कमजोर होने से रुपए को बढ़त मिलेगी। बीते वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.2 प्रतिशत रहा था। यूएसबी सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि कैड चालू वित्त वर्ष में घटकर जीडीपी का 1.2 प्रतिशत रह जाएगा। हाल में खत्म हुए वित्त वर्ष में इसके दो प्रतिशत रहने का अनुमान है।

कृत्रिम मेधा का मानव जीवन पर पड़ सकता है विनाशकारी असर

■ नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष समेत कई प्रमुख हस्तियों ने इसके संभावित विनाशकारी प्रभाव को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार समेत अन्य चर्चित हस्तियों ने कृत्रिम मेधा (एआई) के मानवता पर पड़ने वाले संभावित विनाशकारी प्रभाव को लेकर आगाह किया और राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इसके उपयोग पर चर्चा का आह्वान किया।

कुमार और जोहो कारपोरेशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीधर वेम्बु और आईस्पर्ट फाउंडेशन के सह-संस्थापक शरद शर्मा ने एक खुले पत्र में भारत जैसे विकासशील देश के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) की आवश्यकता को स्वीकार किया है।

लेकिन इससे लाखों नौकरियों के जाने के खतरे को लेकर चिंता भी जताई है। पत्र में कहा गया है, 'अब यह स्पष्ट है कि शक्तिशाली कृत्रिम मेधा में व्यापक स्तर पर बदलाव वाली क्षमता है।

लेकिन यह अराजक स्थिति भी पैदा कर सकता है और मानवता पर संभावित विनाशकारी प्रभाव भी डाल सकता है। इस अस्तित्व संबंधी प्रश्न का उत्तर खोजना भारत सहित सभी देशों के लिए जरूरी है।' खुले पत्र में कहा गया है कि कृत्रिम मेधा (एआई) की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण (जनरेटिव एआई) के उभरते गुणों को खुद उसे विकसित करने वाले भी नही समझा सकते।

■ कृत्रिम मेधा बहुत काम का, लेकिन इसमें रोजगार जाने का खतरा
■ बदलाव के लिए बेहद अहम है कृत्रिम मेधा आधारित नई तकनीक
■ अराजकता भी पैदा कर सकती है एआई की यह तकनीक
■ इस पर अमल से पहले देखना होगा इसका नफा और नुकसान

विनाश की तकनीक बनने से बचाना होगा

कृत्रिम मेधा तकनीक एक ऐसी तकनीक है जिसके अगर कई तरह के फायदे हैं तो इसमें कई तरह के नुकसान की आशंका भी बनी रहती है। अगर इस तकनीक पर कंट्रोल न किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब यह तकनीक विकास का नहीं बल्कि विनाश का सबब बन सकती है।

एनएफएल ने किया है रिकार्ड यूरिया उत्पादन

नई दिल्ली (भाषा)।

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रिकार्ड 39.35 लाख टन यूरिया का उत्पादन किया है। इससे पिछले वित्त वर्ष में उसने 35.23 लाख टन यूरिया का उत्पादन किया था।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्तवर्ष 2022-23 के दौरान उसकी कुल क्षमता उपयोग का स्तर 122 प्रतिशत रहा। कंपनी ने औद्योगिक उत्पादों का भी रिकार्ड उत्पादन किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा, "कुल उर्वरक बिक्री 66.72 लाख टन से अधिक रही, जो कंपनी का अब तक सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

करोड़ों में बिकने वाले ये खिलाड़ी पहले मैच में रहे फ्लॉप

बेन स्टोक्स से लेकर हैरी ब्रूक तक को करोड़ों में खरीदा है फ्रेंचाइजियों ने

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईपीएल का रोमांच हर साल बढ़ता जा रहा है। संभवतः यही कारण है कि दर्शकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दो और फ्रेंचाइजियां पिछले आईपीएल से और जुड़ गईं। हर फ्रेंचाइजी अपनी टीम के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर खिलाड़ियों को खरीदती है कि आईपीएल की ट्रॉफी का सेहरा उनके सिर बंधे। आईपीएल के इस सत्र में देखा गया कि करोड़ों में खरीदे जाने वाले खिलाड़ी अपने पहले ही मैच में फ्लाप साबित हो गए हैं। ऐसे ही कई खिलाड़ी हैं जिन्हें फ्रेंचाइडी ने करोड़ों में खरीदा मगर ये खिलाड़ी न बल्लेबाजी में अपना दम दिखा सके और न ही गेंदबाजी में।

पंजाब किंग्स के सैम करन : 18.50 करोड़

इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम करन अब तक आईपीएल में बिकने वाले सबसे महेंगे खिलाड़ी हैं। दिसंबर, 2022 में हुए मिनी ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर को 18.50 करोड़ की भारी कीमत देकर टीम में शामिल किया था लेकिन 16वें सीजन के पहले ही मैच में सैम करन कुछ खास नहीं कर पाए। बल्लेबाजी में वो 26 रन बना सके। गेंदबाजी में 4 ओवर के स्पेल में 38 रन देते हुए 1 विकेट ले पाए।

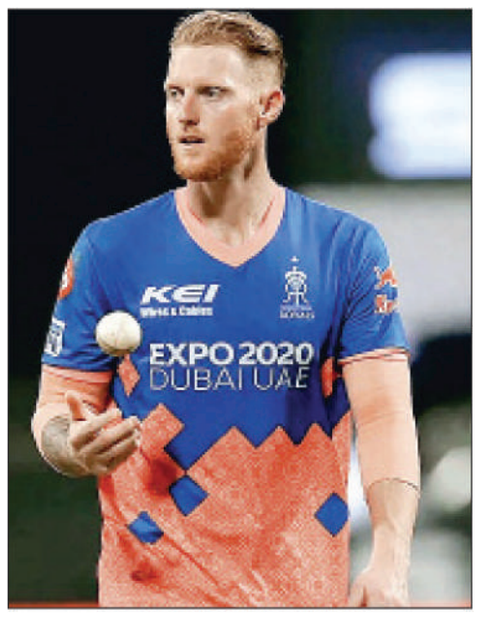

लखनऊ सुपर के केएल राहुल : 16 करोड़

केएल राहुल को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 16 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि पहले मैच में राहुल बल्ले से पूरी तरह से फेल नजर आए। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ पहले मैच में सिर्फ 8 रन बनाए।

हैदराबाद के हैरी ब्रूक : 13.25 करोड़

आईपीएल 2023 के लिए सनराजर्स हैदराबाद ने इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाजी हैरी ब्रूक को 13.25 करोड़ी की कीमत देकर टीम में शामिल किया था। अपने पहले ही मैच में ब्रूक पूरी तरह फ्लॉप दिखाई दिए। राजस्थान के खिलाफ मैच में ब्रूक ने बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों में महज 13 रन बनाए। इस मैच में हैदराबाद को 72 रनों से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

सीएसके के बेन स्टोक्स : 16.25 करोड़

इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 के लिए 16.25 करोड़ की भारी कीमत देकर टीम में शामिल किया था। अपने पहले ही मैच में स्टोक्स कुछ खास नहीं कर पाए। बल्लेबाजी करते हुए स्टोक्स ने 6 गेंदों में महज 7 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस के कैमरून : 17.50 करोड़

पांच बार आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस ने 2022 में हुए मिनी ऑक्शन में स्टार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को 17.50 करोड़ा की भारी कीमत देकर खरीदा था। आरसीबी के खिलाफ खेले गए अपने पहले ही मैच में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 4 गेंदों में महज 5 रन बनाए। इसी प्रकार 2 ओवर गेंदबाजी कर 30 रन खर्चे। उन्होंने सिर्फ एक विकेट अपने नाम किया।

खबर संक्षेप

राफेल नडाल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

मोनाको। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने क्ले कोर्ट पर होने वाले मोंटे कार्लो मास्टर्स से नाम वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि अभी वह शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं हैं। ग्रैंड स्लैम के 22 बार के चैंपियन नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद से ही कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट आठ अप्रैल से शुरू होना है। नडाल ने यह टूर्नामेंट रिकॉर्ड 11 बार जीता है। नडाल ने ट्विटर पर लिखा मैं अपने करियर के सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में से एक मोंटे कार्लो मास्टर्स में नहीं खेल पाऊंगा। मैं अभी अपनी पूरी क्षमता से खेलने की स्थिति में नहीं हूं। मेरी तैयारियां चल रही हैं और उम्मीद है कि मैं जल्द वापसी करूंगा।

ब्रावो से डेथ ओवरों की गेंदबाजी कौशल सीख रहा हूं: देशपांडे

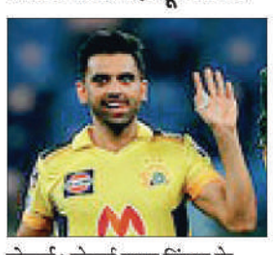

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मध्यम गति के गेंदबाज तुषार देशपांडे ने कहा कि डेथ ओवरों की गेंदबाजी आसान काम नहीं है और वह अब भी इस कौशल को सीख रहे हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ मैच में इस 27 वर्षीय गेंदबाज ने दो विकेट लिए लेकिन इसके साथ ही चार वाइड और तीन नोबॉल भी की जिससे उनके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नाखुश थे। देशपांडे ने कहा कि वह हर दिन अपने खेल में सुधार कर रहे हैं और एक गेंदबाज के रूप में निखर रहे हैं। कोच के रूप में ब्रावो बेहतरीन उन्होंने कहा हमारे पास गेंदबाजी कोच के रूप में ड्वेन ब्रावो हैं जो डेथ ओवरों के बेहतरीन गेंदबाज थे।

न्यूजीलैंड वनडे टीम में दो नए चेहरे शामिल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ 26 अप्रैल से पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। कीवी टीम ने दो नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। टॉम लैथम पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जाएगी। आईपीएल में व्यस्त हैं नियमित खिलाड़ी ज्ञात हो कि न्यूजीलैंड को इस सीरीज में अपने नियमित स्टार खिलाड़ियों केन विलियमसन, टिम साउथी, लोकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर और फिन एलेन की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। न्यूजीलैंड के ये खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल की कई टीमों में खेल रहे हैं और वे इस समय समय भारत में हैं।

आईपीएल : दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया

राशिद-शमी की गेंद और सुदर्शन की फिफ्टी से जीता गुजरात टाइटंस, दिल्ली की दूसरी हार

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

आईपीएल के सातवां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया। इस मुकाबले में गुजरात ने दिल्ली द्वारा दिए गए 162 के टारगेट को 6 विकेट रहते जीत लिया। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की वहीं डेविड वार्नर की अगुआई वाली टीम को लगातार दूसरी हार मिली है।

दिल्ली के अरूण जेटली स्टेडियम में गुजरात के हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 162 रन बनाए। कप्तान डेविड वार्नर ने 37, अक्षर पटेल ने 36 रन बनाए।

ये रहे जीत के हीरो

गुजरात की जीत के हीरो गेंदबाज राशिद खान, मोहम्मद शमी व बल्लेबाज साई सुदर्शन रहे। दिल्ली से मिले 163 रन के लक्ष्य के जवाब में साई सुदर्शन के 62 रन की मदद से गुजरात ने 18.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। गुजरात की ओर से राशिद खान और मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए। साई सुदर्शन ने 48 गेंद पर नाबाद 62 रन बनाए।

गुजरात की टीम में दो बदलाव

गुजरात की टीम में दो बदलाव हुआ। डेविड मिलर को केन विलियमसन की जगह टीम में मौका मिला। दिल्ली की टीम में भी दो बदलाव हुए। अभिषेक पोरेल ने डेब्यू किया। उन्हें ऋषभ पंत के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। एनरिक नॉर्खिया को रोवमैन पॉवेल की जगह मौका मिला।

शमी के ओवर में ड्रामा, गेंद लगी पर बेल्स नहीं गिरे

दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच हुए मैच में पहले ही ओवर में खूब ड्रामा हुआ। ऐसा रहा पहला ओवर- शमी की पहली गेंद वाइड हो गई। इसके बाद शमी की दूसरी गेंद वॉर्नर को छकाते हुए विकेट से जा लगी, लेकिन बेल्स नहीं गिरे जिससे वे आउट होने से बच गए। शमी ने अगली गेंद फिर वाइड डाली। ओवर की 5वीं गेंद वॉर्नर के थाई पैड में लगकर चौके के लिए गई। शमी की अगली गेंद फिर 4 रनों के लिए चली गई। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। दिल्ली को 5 रन मिले। पहले ओवर में शमी ने 9 गेंदें डालीं और 11 रन खर्च किये।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
डेविड वॉर्नर बो जोसेफ	37	32	7	0
पृथ्वी साव का जोसेफ बो शमी	7	5	17	1
मिशेल मार्श बो शमी	4	4	1	0
सरफराज खान का लिटिल बो राशिद	30	34	2	0
रिली रोसेयू का तेवतिया बो जोसेफ	0	0	0	0
अभिषेक पोरेल बो राशिद	20	11	0	2
अक्षर पटेल का मिलर बो शमी	36	22	2	3
अमन हकीम खान का पंड्या बो राशिद	8	8	0	1
कुलदीप यादव नाबाद	1	1	0	0
एनरिक नॉर्किया नाबाद	4	2	1	0

अतिरिक्त : 15 रन, कुल योग : 20 ओवर में 162/8 रन
गेंदबाजी : शमी 4-0-41-3, लिटिल 4- 0-27-0, पंड्या 3-0-18-0, जोसेफ 4-0-29-2 दयाल 1-0-12-0, राशिद 4-0-31-3

गुजरात टाइटंस पारी	रन	गेंद	4	6
रिधिमान साहा बो नॉर्किया	14	7	2	1
शुभमन गिल बो नॉर्किया	14	13	3	0
साई सुदर्शन नाबाद	62	48	4	2
हार्दिक पंड्या का पोरेल बो खलील	05	04	1	0
विजय शंकर बो मार्श	29	23	3	0
डेविड मिलर नाबाद	31	16	2	2

अतिरिक्त: 08 रन, कुल योग: 18.1ओवर 163/4 रन
गेंदबाजी: खलील 4-0-38-1, मुकेश 4-0-42-0, नॉर्किया 4-0-39-2, मार्श 3.1-0-24-1, कुलदीप 3-0-18-0

धोनी ने रचा इतिहास

आईपीएल में 5 हजार रन पूरे वाले दूसरे भारतीय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईपीएल के 16वें सीजन का छठा मैच चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। इस हाई स्कोरिंग मुकाबले में चेन्नई ने लखनऊ को 12 रन से शिकस्त दी। आईपीएल 2023 में यह चेन्नई सुपर किंग्स की पहली जीत है।

लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध हुए इस मुकाबले में सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने खास उपलब्धि हासिल की। धोनी दूसरे ऐसे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं जिनके नाम यह उपलब्धि दर्ज की गई है।

रैना पहले, धोनी दूसरे भारतीय बल्लेबाज

लखनऊ के खिलाफ मैच में एमएस धोनी ने अपने आईपीएल करियर में 5 हजार रन पूरे किए। धोनी ने 3691 गेंद पर आईपीएल में 5 हजार रन पूरे किए हैं। वैसे आईपीएल में गेंदों के हिसाब से भारत की तरफ से सबसे तेज 5 हजार रन पूरे करने का कीर्तिमान सुरेश रैना के नाम है। मिस्टर आईपीएल के नाम से मशहूर सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने 3619 गेंदों पर 5 हजार रन पूरे किए थे।

ऐसा है धोनी का आईपीएल रिकॉर्ड

एमएस धोनी आईपीएल के पहले सीजन में बतौर कप्तान चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बतौर कप्तान जुड़े थे। साल 2016 में जब सीएसके पर 2 साल का बैन लगा तब वह टीम के कप्तान नहीं थे। तब धोनी 2 साल राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए खेले थे। धोनी आईपीएल में अब तक 236 मैच खेल चुके हैं। इन 236 मैचों की 208 पारियों में 5004 रन बनाए हैं। इस लीग में उनके नाम 24 अर्धशतक दर्ज हैं। आईपीएल में धोनी का सर्वाधिक स्कोर 84 रन नॉट आउट है। वह आईपीएल में 347 चौके और 232 छक्के भी लगा चुके हैं।

मां बनने के बाद वापसी पर पहला मैच हारी स्वितोलिना

एजेंसी ▶▶ चार्लेस्टन

दो बार की ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलिस्ट एलिना स्वितोलिना के लिए मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी आसान नहीं रही और उन्हें चार्लेस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व की पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी लेकिन अभी 1081वें नंबर पर काबिज स्वितोलिना दो घंटे, 46 मिनट तक चले मुकाबले में यूलिया पुतिनत्सेवा से 6-7 (3), 6-2, 6-4 से हार गई।

अन्य मैचों के परिणाम

दिन के अन्य मैचों में 2017 की अमेरिकी ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफंस ने क्वालीफायर लुईसा चिरिको को 3-6, 6-1, 6-2 से। सत्रह वर्षीय लिंडा फ्रुहविर्टोवा ने जिल टीचमैन को 6-2, 3-6, 6-2 से। अन्ना कालिंस्काया ने एनाहेलिना कलिनिना को 7-6 (6), 6-4 से। क्वालीफायर कैथरीन सेबोव ने लॉरेन डेविस को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या भारत नहीं, बांग्लादेश के नाम दर्ज हुआ टेस्ट क्रिकेट का सबसे अनोखा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेस्ट फॉर्मेट को क्रिकेट का असली और सबसे मुश्किल फॉर्मेट माना जाता है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट इतिहास का सबसे पहला टेस्ट मैच खेला गया था। इस वक्त आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-वन पर ऑस्ट्रेलिया, नंबर-2 पर इंडिया और नंबर-3 पर इंग्लैंड की टीम मौजूद है, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट फॉर्मेट में एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो दूसरी कोई टेस्ट क्रिकेट टीम नहीं कर पाई है।

11 टीमों के खिलाफ खेला टेस्ट मैच

दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट टीम कुल ग्यारह टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है। बांग्लादेश आयरलैंड की मेजबानी कर रहा है। आज 4 अप्रैल से 8 अप्रैल के बीच इन दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट मैच की सीरीज खेली जा रही है। ऐसे में आयरलैंड ग्यारहवीं टेस्ट टीम बन गई है, जिसके खिलाफ बांग्लादेश ने टेस्ट मैच खेला हो। ऐसा करने वाली बांग्लादेश दुनिया की पहली टेस्ट टीम बन गई है।

पहला टेस्ट मैच भारत संग 2000 में खेला : बांग्लादेश ने अपना पहला टेस्ट मैच भारत के खिलाफ सन 2000 में खेला था। इसके अलावा बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बॉब्वे के खिलाफ भी टेस्ट मैच खेला है।

चेन्नई, गुजरात, हैदराबाद, पंजाब में आई जान

आईपीएल खेलने भारत पहुंचे साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर्स

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईपीएल 2023 की शुरुआत हो चुकी है। टूर्नामेंट का पहला मैच 31 मार्च को खेला गया था और अब तक कई मैच हो भी चुके हैं। शुरुआती मैचों में कई साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी नीदरलैंड्स के खिलाफ वनडे सीरीज के चलते अपनी-अपनी आईपीएल टीमों का हिस्सा नहीं बना पाए थे। नीदरलैंड्स के खिलाफ वनडे सीरीज 2 अप्रैल को खत्म होते ही साउथ अफ्रीकी प्लेयर आईपीएल 2023 के लिए इंडिया पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडन मार्करम समेत कई खिलाड़ी मौजूद हैं।

इन फ्रेंचाइज़ी को मिली राहत

आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, और पंजाब किंग्स को बड़ी राहत मिली है। इन फ्रेंचाइजियों कर टीम में मौजूद अफ्रीकी खिलाड़ी इंडिया पहुंच गए हैं। टीम के लिए अगले मैचों से उपलब्ध रहेंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को अफ्रीकी खिलाड़ियों को भारत पहुंचे से सबसे ज्यादा राहत मिली। भारत आने वाले अफ्रीका खिलाड़ियों में टीम कप्तान एडन मार्करम भी हैं। मार्करम की गैरमौजूदगी में भुवनेश्वर कुमार ने टीम की कमान संभाली थी। हैदराबाद के लिए एडन मार्कर, मार्को जेनसन और हेनरिक क्लासेन तीन साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी टीम से जुड़ गए हैं।

गुजरात टाइटंस

डेविड मिलर भारत पहुंच गए हैं। आईपीएल 2022 में टीम के लिए कई अहम पारियों को अंजाम दिया था। उन्होंने टीम के लिए 17 मैचों में फिनिशर भी भूमिका अदा करते हुए 481 रन बनाए थे।

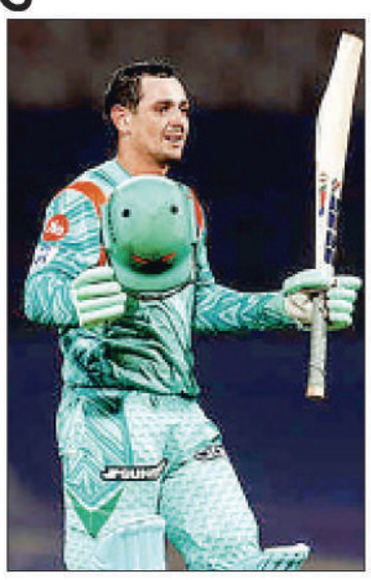

पंजाब किंग्स

अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगीसो रबाडा आईपीएल 2023 के लिए पंजाब किंग्स से जुड़ गए हैं। रबाडा टीम के लिए मुख्य तेज गेंदबाज की भूमिका अदा करेंगे।

लखनऊ सुपर जायंट्स

साउथ अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक आईपीएल 2023 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़ गए हैं। आईपीएल 2022 में डी कॉक शानदार लय में दिखाई दिए थे।

चेन्नई सुपर किंग्स

तेज गेंदबाज सिसंदा मगाला भी आईपीएल 2023 के लिए अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जुड़ गए हैं। मगाला को चेन्नई ने चोटिल काइल जेमीसन की जगह टीम का हिस्सा बनाया है।

दिल्ली कैपिटल्स

अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एंगीडी और एनरिक नॉर्किया आईपीएल 2023 के लिए दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ गए हैं।

फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेलेंगी गर्बाइन मुगुरूजा

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी गर्बाइन मुगुरूजा ने कहा कि वह टेनिस से लंबा विश्राम लेंगी और इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाएगी। मुगुरूजा ने इस साल 30 जनवरी के बाद कोई मैच नहीं खेला है। उन्होंने इस वर्ष जो चार मैच खेले उन सभी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

स्पेन की इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 2016 में सेरेना विलियम्स को हराकर फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने 2017 में वीनस विलियम्स को पराजित करके विंबलडन चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

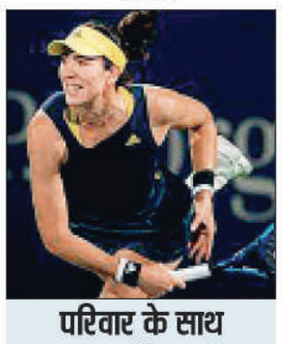

परिवार के साथ समय बिता रही

गर्बाइन ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह इस सत्र में क्ले कोर्ट और ग्रास कोर्ट के टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगी। मुगुरूजा ने कहा मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिता रही हूं और यह वास्तव में बहुत शानदार है इसलिए मैं इस अवधि को गर्मियों तक बढ़ाने जा रही हूं।

पर्यटन

कमलेश यादव

प्राकृतिक सौंदर्य के स्थलों में शिव गंगा जलप्रपात

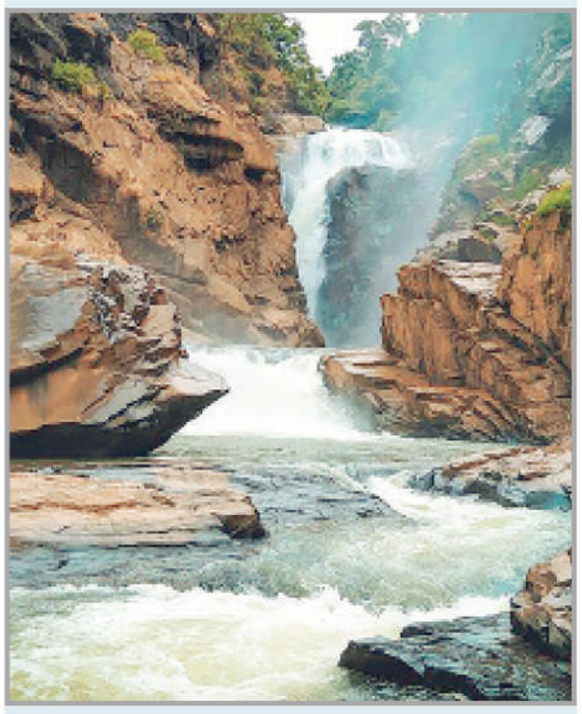

बस्तर अंचल में अनेक खूबसूरत वादियों की कमी नहीं हैं। आज भी अनेक झरने की खोज होती रहती है जो अत्यंत मनमोहक होते हैं। ऐसे ही मनमोहक सौंदर्य से भरपूर घने जंगलों के मध्य शिवगंगा जलप्रपात दो खंडों में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। तीरथगढ़ जलप्रपात से शिवगंगा की दूरी लगभग 6 किमी है। यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस जलप्रपात का एक खंड 40 किमी तो दूसरे खंड की ऊंचाई लगभग फीट है। इस जलप्रपात के निकट ही शिवलिंग की स्थापना ग्रामीणों द्वारा की गई है, इसलिए जलप्रपात का नाम शिवगंगा रखा गया है। शासन के नक्शे में लेकर इस स्थल को संवारने की व्यवस्था की जा रही है ताकि पर्यटक इस सौंदर्य स्थलों का भी भ्रमण कर सकें। पर्यटकों को जानकारी होने पर इस स्थल का आनंद लेने अवश्य पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में दृश्य मनमोहक होता है, लेकिन आवागमन की उचित साधन नहीं होने के कारण पर्यटन यहां पहुंच पाने में असमर्थ हो जाते हैं।

पुस्तक समीक्षा

पांखी काटे जाही

कृति के नाव
पांखी काटे जाही

कृतिकार
राजकुमार चौधरी 'रौना'

समीक्षक
डा. दादूलाल जोशी

प्रकाशक
वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत
सौ रूपए

कृतिकार ने अपनी इस कृति में गजल के शेरों को मात्राओं में बिठाने का प्रयास किया है। आपने मनुष्य की सोच और उससे उपजी विसंगतियों को व्यंग्यात्मक शैली में कहने का प्रयास किया है। इनकी गजलों में सामान्य और विशेष व्यक्तियों की आदत-व्यवहार का रोचक दिग्दर्शन मिलता है। लेकिन इन सामान्य विषय-वस्तु के अतिरिक्त उनकी गजलों में सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों का खुलासा बड़े ही प्रभावशाली ढंग से हुआ है। वर्तमान में जिस तरह महान प्रजातंत्र में भीतर भीतर सामंती अथवा जमींदारी प्रथा की बदबू समाती जा रही है, उसका यहां बहुत बेबाकी से उल्लेख किया गया है। यह शेर दृष्टव्य है-

चढ़ सिंघासन मौज कर ले तोर तो सरकार हे।
झुठ तक ला सच बना दे तोर तो अखबार हे।।
मांगना हर पाप हे अउ बोलना अपराध जी।
वोट दे के भेज दे अतके अकन अधिकार हे।

रदीफ और काफिया की ओर भी इन्होंने खास ध्यान दिया है जिसके फलस्वरूप कथ्य को प्रभावशाली ढंग से रखने में सफल हुए हैं।

बालोद जिला में स्थित गुंडरदेही से अर्जुन्दा मार्ग पर कांदुल गांव है। कंदमूल, हरी सेम और कांदा भाजी की बहुलता के कारण इस गांव का नाम 'कांदुल' पड़ा। बढ़ई द्वारा निर्मित बैलगाड़ियों के चक्कों के लिए यह गांव प्रख्यात रहा। देश की सीमा सुरक्षा बल में इस गांव के 54 नौजवान सेवारत हैं। यहां के थरती पुत्र उकेश ठाकुर देश के नाम शहीद हुए।

गांव की कहानी : डॉ. राघवेंद्र कुमार 'राज'.

कंदमूल की अधिकता से गांव कहलाया कांदुल

बालोद जिला में स्थित गुंडरदेही से अर्जुन्दा मार्ग पर बसा गांव 'कांदुल' स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से रचा-बसा गांव है। पूर्व में यह गांव आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र रहा। शस्य श्यामला कृषि भूमि वर्षा के लिए ईश्वराधीन रही। आज भी यह गांव सिंचाई की दृष्टि से भगवान भरोसे हैं। नामकरण की दृष्टि से देखा जाए तो कंदमूल, हरी सेम और कांदा भाजी की बहुलता के कारण इस गांव का नाम 'कांदुल' पड़ा। बढ़ई द्वारा निर्मित बैलगाड़ियों के चक्कों के लिए यह गांव प्रख्यात रहा। इस गांव की विशेषता यह भी रही कि-यहां कुएं बहुत मात्रा में थे। ब्यारे की अहातें पत्थरों से बने हुए हैं। दलहन -तिलहन के लिए यह गांव समृद्ध रहा। यहां ब्रिटिशकाल से विद्यालय संचालित रहा। सन 1962-63 में पुनर्निर्माण के पश्चात स्वामी मुक्तानंद द्वारा लोकार्पण किया गया। सर्वसमाजोत्थान को ध्यान में रखते हुए मृत्युभोज में कलेवा और मायन भोज के पश्चात बारातियों के साथ गांव वालों के लिए भोजन करना प्रतिबंधित है। रविवार और सोमवार को सारा गांव वर्ष भर सोमवारी और इतवारी त्योहार मनाता है। प्राचीन दंतेश्वरी कुंड आज दंतेश्वरी मंदिर त्रिताल (छीरसागर) के रूप में विद्यमान है। देश की सीमा सुरक्षा बल में इस गांव के 54 नौजवान सेवारत हैं। यहां के थरती पुत्र उकेश ठाकुर देश के नाम शहीद हुए। यहां की सांस्कृतिक धरोहर की कोई सानी नहीं है। सांस्कृतिक विरासत के रूप में ख्याति प्राप्त जस झांकी मंडली को प्रदर्सन के लिए दूर-दूर से आमंत्रित किए जाते हैं।

छत्तीसगढ़ अंचल में लोकगीतों की रानी ददरिया है। यह छोटी, पूर्ण पर बहुभावी रूप में संस्कृति की महत्ताओं को व्यक्त करने में सक्षम है। किसी भी प्रकार के कथ्य को कम शब्दावली में यहां व्यक्त किया जाता है। यह वह श्रृंगार गीत है जो कई स्थानों पर कथ्य के आधार पर प्रबंधकता से जुड़ी होती है। यह लोकगीत श्रम परिहार की कुंठाओं का विसर्जन करने में भी समर्थ होती है।

ददरिया में समाहित वैदिक तत्व

कला जगत: डा. विनय कुमार पाठक

छत्तीसगढ़ अंचल में भारत की वैदिक संस्कृति का स्त्रोत यहां लोकगीतों में सतत प्रवाहित दिखाई देता है। विभिन्न रसों में जिस प्रकार रसों का राजा श्रृंगार है, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ अंचल में लोकगीतों की रानी ददरिया है। प्राचीन काल से मनोरंजन के साथ एकल व समूह में ददरिया गाने की परंपरा रही है। समय के अनुसार ददरिया की प्रस्तुति में भी बदलाव देखा गया है। ददरिया में जीवन के सारे रंग समाहित होते हैं, और सुनने और गाने वाले दोनों आनंदित होकर रसपान करने में कोई कमी नहीं करते। यह छोटी, पूर्ण पर बहुभावी रूप में संस्कृति की महत्ताओं को व्यक्त करने में सक्षम है। किसी भी प्रकार के कथ्य को कम शब्दावली में यहां व्यक्त किया जाता है। यह वह श्रृंगार गीत है जो कई स्थानों पर कथ्य के आधार पर प्रबंधकता से जुड़ी होती है। यह लोकगीत श्रम परिहार की कुंठाओं का विसर्जन करने में भी समर्थ होती है। इस गीत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है कि यह समय की सीमा में बंधा नहीं, अपितु सुबह-शाम, दिन-मास, वर्ष-सदियों तक अविरल प्रवाहित होने वाली धारा है...ध्वनि रेखा है...जो हृदय में हिलोरे लेने वाले जल तरंग की तरह ध्वनि तरंग के रूप में जंगल की लोक संस्कृति को अभिव्यक्त करती है। मानव प्रेम, समन्वयवाद, आशावाद, पुर्नजन्म, वर्णाश्रय व्यवस्था, प्रकृति को देवता मानकर जनमानस में आध्यात्मिक भावनाओं का आरोपण हमें कहीं न कहीं दिखाई देता है। यही आध्यात्मिक भावना ही यहां के जन जीवन के बीच जीने का आत्मबल प्रदान करती है।

सदी के प्रारंभ में आंचलिक पत्रिका का प्रकाशन

लोक साहित्य : सुधीर पाठक

सन 1921 में लोचन प्रसाद पांडेय ने हीरालाल काव्योपाध्याय के ग्रंथ को परिवर्तित रूप में प्रकाशित किया। यह ग्रंथ मध्य प्रांत और बरार शासन द्वारा कलकत्ता से 'ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डाइलेक्ट आफ हिन्दी' के नाम से छपाया गया। यह ग्रंथ आज भी दुर्लभ है। बिलासपुर की डिस्ट्रीक्ट कौंसिल के तत्वावधान में 'विकास' नामक पत्रिका का प्रथम अंक अप्रैल सन 1920 ई. में प्रकाशित हुआ था। इसके प्रथम व द्वितीय अंक में धारावाहिक रूप में आशुकवि शिवदास पांडेय का 'छत्तीसगढ़ी व्याकरण' नामक लेख प्रकाशित हुआ था। इसी तरह सन 1924 के नवंबर अंक में लोचन प्रसाद पांडेय का 'छत्तीसगढ़ी बोली के कुछ प्रयोग और उदाहरण' नामक लेख भी छपा। इसमें लेखक ने सदरी-कोरवा के चार तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी के चार वाक्यों से तुलनात्मक अध्ययन का उदाहरण प्रस्तुत किए। सन 1925 के जनवरी, मार्च और सितंबर के अंकों में कन्हैय्या लाल मिश्र ने 'छत्तीसगढ़ी कहावतें' शीर्षक से 191 कहावतों को अर्थ सहित प्रस्तुत किया था। सन 1925 ई. के अगस्त अंक में मधुमंगल मिश्र का एक निबंध 'छत्तीसगढ़ी भाषा संबंधी कुछ छिटपुट विचार' शीर्षक से प्रकाशित हुआ। इस निबंध में छत्तीसगढ़ी शब्द समूह के वर्गीकरण, छत्तीसगढ़ी में व्यवहृत संस्कृत के तत्सम और अर्धतत्सम शब्दों का हवाला दिया है। इससे सदी के प्रारंभ से ही छत्तीसगढ़ी की समृद्ध पत्रिकाओं की परंपरा का पता चलता है।

पं.सरयू प्रसाद त्रिपाठी

सुरता: प्रो. अश्विनी केशरवानी

पं. सरयू प्रसाद त्रिपाठी का जन्म 22 अक्टूबर 1891 को छत्तीसगढ़ के पंडरिया में हुआ था। आपके पिता पंडरिया जमींदारी में अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके बाद आप नवागढ़, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बिलाईगढ़ और बिलासपुर में भी रहने लगे थे। आपका पारिवारिक साहित्यमय रहा, इसका प्रभाव आप पर पड़ा। अपने समय के अनेक ख्यातिनाम साहित्यकारों का सानिध्य आपको मिला। आपने सीता अन्वेषण(छंदों में), अज्ञातवास (महाकाव्य), मधु सीकर और मधु स्त्रोत ग्रंथ की रचना की। आपकी रचनाएं पत्र-पत्रिकाओं के साथ आकाशवाणी नागपुर से प्रसारित होती थी। इसी तरह साहित्य की विधाओं में खड़ी बोली, छायावाद, रहस्यवाद, गीतकाव्य, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद पर काफी रचनाएं आपने लिखी। इसके साथ अकाल, भूखमरी, व्यसन उन्मूलन, और जीवन के यथार्थ आपकी कविताओं के मूल में रहे। धार्मिक आपने छत्तीसगढ़ की धरा का मार्मिक चित्रण भी किया है जिसकी कुछ पंक्तियां-

तू जग से है छत्तीस सदा, तव भूमि रम्य सुखदा वरदा।
शरणागत का आश्रय दाता, अवनत सिर होवे नहीं कदा।
तेरा वसंत ही है पतझड़। ओ छत्तीसगढ़, ओ छत्तीसगढ़, ।

लोक खेल

चंद्रशेखर चकोर

नव खेलों में गेंगे

गेंगे के खेल का नामकरण गेंद और गेड़ी के प्रथम अक्षर गें व गे के संधि से हुआ है। खेल शुरूआत होने पर गेड़ी के माध्यम से बाल को ठोकर मारकर गोल पोष्ट के अंदर भेजना होता है, विरोधी दल विपरीत गोल पोष्ट में गेंद भेजने का प्रयास करते हैं। इस तरह इस खेल को फुटबाल की तरह ही खेला जाता है। अंतर केवल इतना होता है कि फुटबाल खेल में गेंद को पैर से तथा गेंगे खेल में गेंद को गेड़ी के सहारे खेला जाता है।

छत्तीसगढ़ अनेक तरह के खेल खेलने का चलन रहा है। मौसम अनुरूप, तीज-त्योहारों के अनुरूप तथा सेहत को ध्यान खेल खेलने की परंपरा रही हैं। इसी को ध्यान में एक नव निर्मित दलगत गेंगे के खेल का नामकरण गेंद और गेड़ी के प्रथम अक्षर गें व गे के संधि से हुआ है। खेल की दिशा में यह किया गया प्रयोग खिलाड़ियों को आनंदित करेगी। अधिक संख्या में इस खेल के प्रत्येक दल में नौ नौ खिलाड़ी होते हैं। दो दलों में विभाजित नौं-नौं खिलाड़ी में एक-एक खिलाड़ी गोल कीपर बनते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक जोड़ी गेड़ी और स्पर्धा के लिए एक गेंद (बालीबाल) होता है। खिलाड़ी बांस के पतले सिरे को पकड़ने के बाद पउवा पर पैर रखकर गेड़ी में चढ़कर चलने लगता है। खेल शुरूआत होने पर गेड़ी के माध्यम से बाल को ठोकर मारकर गोल पोष्ट के अंदर भेजना होता है, विरोधी दल विपरीत गोल पोष्ट में गेंद भेजने का प्रयास करते हैं। इस तरह इस खेल को फुटबाल की तरह ही खेला जाता है। अंतर केवल इतना होता है कि फुटबाल खेल में गेंद को पैर से तथा गेंगे खेल में गेंद को गेड़ी के सहारे खेला जाता है। इस खेल को खेलने के साथ ही देखने में भी रोचक लगता है।

अपराधियों अंकुश लगाने के लिए 31 नई अस्थाई पुलिस चौकियों का किया गया सृजन

जनपद में बढ़कर पुलिस चौकियां हुई 99 पहले थी 68 पुलिस चौकियां

प्रखर गोरखपुर।आम जनमानस को बेहतर जनसुनवाई के लिए इधर उधर भागदौड़ ना करना पड़े उनके मोहल्ले और गांव के नजदीक ही पुलिस चौकियों पर पुलिस मौजूद रह कर आम जनमानस की सुरक्षा करते हुए अपराधियों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अपने 6 महीने के बीते कार्यकाल को देखते हुए आम जनमानस की जनसुनवाई को आधार मानते हुए पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण विश्नोई पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी तथा समस्त क्षेत्राधिकारी थाना प्रभारियों की संयुक्त कमेटी द्वारा की गई संतृप्ति के आधार पर नए अस्थाई 31 पुलिस चौकी बनाने का निर्णय लिया जिससे आम जनमानस के समस्याओं का निदान त्वरित गति से निस्तारण हो सके जनपद के थानों पर 378 विवेचको के पास लगभग 52 विवेचना प्रति विवेचक के पास विवेचना है उसमें और गति लाने के लिए नए 31 पुलिस चौकी को अस्थाई तौर पर सृजित किया गया है अब गोरखपुर में 99 पुलिस चौकियां हो गई पहले 68 पुलिस चौकियां अस्तित्व में थी। नगर ,उत्तरी ,दक्षिणी क्षेत्र में 68 पुलिस चौकियां अस्तित्व में कार्य कर रही हैं बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए नगर उत्तरी दक्षिणी क्षेत्र में नए अस्थाई 31 नए पुलिस चौकियों को बनाने का निर्णय लिया बहुत ही जल्द बनाए गए नए चौकियों पर चौकी प्रभारियों व अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी जाएंगी जनपद में कुल 99 पुलिस चौकियां हो गई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने आम जनमानस की बढ़ती समस्या को देखते हुए हल्का व चौकियों को बढ़ाने का निर्णय लिया था पुलिस अधीक्षक नगर पुलिस अधीक्षक उत्तरी पुलिस अधीक्षक दक्षिणी और क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों की संतृप्ति पर पहले नगर क्षेत्र में 36 पुलिस चौकियां अस्तित्व में थी 14 चौकियां बढ़ जाने के बाद 50 चौकियां अस्तित्व में आ जाएंगी उत्तरी क्षेत्र में पहले 29 हल्के थे 23 हल्के के बढ़ोतरी होने के बाद 52 हल्के हो जाएंगे पूर्व में 20 चौकियां अस्तित्व में थी 10 चौकियां बढ़ जाने के बाद 30 चौकियां अस्तित्व में आ जाएंगी दक्षिणी क्षेत्र में पहले 37 हल्का थे 11 हल्के बढ़ जाने के बाद 48 हल्के हो जाएंगे पूर्व में दक्षिणी क्षेत्र में 12 चौकियां अस्तित्व में थी 7 चौकियां बढ़ जाने के बाद 19 चौकियां हो जाएंगी गोरखपुर जनपद में अभी 68 पुलिस चौकियां अस्तित्व में है 31 नए अस्थाई चौकियां बढ़ जाने के बाद 99 चौकियां हो जाएंगी 1 से 2 दिन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर चौकी प्रभारियों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर देंगे नगर क्षेत्र कोतवाली थाना क्षेत्र में दुर्गाबाड़ी नई चौकी अस्थाई तौर पर सृजित की गई है राजघाट थाना क्षेत्र में अमरूदबाग तिवारीपुर थाना क्षेत्र में जाफरा बाजार और डोमिनगढ़ खोराबार में डांगीपार और सिकटोर (सहारा स्टेट)रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में पामपैराडाइज गोरखनाथ थाना क्षेत्र में सुभाष चंद्र बोस नगर जटेपुर उत्तरी, रामनगर, नथमलपुर तथा शाहपुर थाना क्षेत्र में बशारतपुर ,रेलविहार, सिंहासनपुर में नई अस्थाई पुलिस चौकी बनाया गया है उत्तरी सर्किल के अंतर्गत कैंपियरगंज थाना क्षेत्र में भोराबारी पीपीगंज थाना क्षेत्र में कस्बा पीपीगंज सहजनवा थाना क्षेत्र में समधिया गीडा थाना क्षेत्र में भडसार चौरीचौरा थाना क्षेत्र में तरकुलहा मंदिर झंगहा थाना क्षेत्र में बोहाबार पिपराइच थाना क्षेत्र में बैलों ,रमवापुर गुलरिया थाना क्षेत्र में जंगल डुमरी नंबर 2 आयुष विश्वविद्यालय में नई अस्थाई पुलिस चौकी बनाई गई।

दक्षिणी सर्किल के अंतर्गत बांसगांव थाना क्षेत्र में मल्हनपार गगहा थाना क्षेत्र में असवनपार गोला थाना क्षेत्र में चीनी मिल हरपुर ,जानीपुर बड़हलगंज थाना क्षेत्र में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज सिकरीगंज के दुधरा बाजार व महादेवा बाजार में नई अस्थाई चौकी बनाई गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में प्रेस वार्ता कर उपरोक्त जानकारियां दी प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी अंडर ट्रेनिंग आईपीएस अधिकारी आदित्य मौजूद रहे।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, मौके पर एक की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के कमालपुर गांव के सामने कल मंगलवार की रात अनियंत्रित बाइक पेड़ से जा टकराई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर घायल का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार भोपतिपुर गांव निवासी दिनेश लाल यादव उम्र 23 और अशोक यादव उम्र 25 बाइक से रात में घर जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार कमालपुर अंबेडकर मूर्ति के सामने पहुंचे। बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में दिनेश लाल यादव की मौके पर मौत हो गई। जबकि अशोक यादव गंभीर तरह घायल हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के द्वारा घायल और मृतक युवक को लेकर कासिमाबाद अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दिनेश लाल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं अशोक यादव की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।कासिमाबाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण को लेकर शुरू हुआ जागरूकता अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जो 1 अप्रैल से शुरू होकर 30 अप्रैल तक चलेगा। उसके सफल क्रियान्वयन को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुहम्मदाबाद एवं रेवतीपुर में जन जागरूकता कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया एवं संचालित होने वाली गतिविधियों के संबंध में चर्चा किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशीष राय ने बताया कि हर विकास खण्डों में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु ग्राम स्तर पर विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे विशेष रूप से घर एवं उसके आस पास की सफाई, मच्छरों से बचाव हेतु पूरी बाह की कमीज पहनने, सदैव स्वच्छ जल का ही प्रयोग करने, आस पास जल जमाव न होने , कुपोषित बच्चों के प्रति विशेष ध्यान देने, व्यक्तिगत साफ सफाई पर विशेष ध्यान, बच्चों को उम्र अनुसार जे०ई० का टीकाकरण, बुखार होने पर बिना किसी प्रकार कि देरी किए तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर आवश्यक जांच कराने के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ग्राम स्तर पर रैलीयों का आयोजन, माता बैठक, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितियों की बैठक ग्राम सभा वार, विद्यालय के बच्चों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का संवेदीकरण, ग्राम निगरानी समितियों की बैठक , गांव में बुखार, मलेरिया, डेगु, फाइलेरिया, दिमागी बुखार , क्षय रोगी इत्यादि लक्षण युक्त मरीजों पहचान / खोज करते हुऐ आवश्यक स्वास्थ्य केन्द्र से लाभ दिलवाने की बात कही। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक संजीव कुमार एवं बबिता सिंह द्वारा उपरोक्त गतिविधियों की लगातार निगरानी/अपेक्षित सहयोग ब्लॉक रिस्पांस टीम के साथ साथ ब्लॉक के आशा नोडल मनीष कुमार एवं सुनील कुशवाहा द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, क्षेत्रीय को क्रियान्वित कराया जा रहा है।

दीवानी कचहरी हनुमान मंदिर पर श्री राम जन्मोत्सव एवं भव्य आरती आयोजित किया गया

प्रखर गोरखपुर। आज विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के तत्वाधान में दीवानी कचहरी स्थित हनुमान मंदिर पर श्री राम जन्मोत्सव एवं भव्य आरती कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री परमेश्वर कुमार एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रांत संयोजक अभय शाही के द्वारा भगवान श्री हनुमान के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया तत्पश्चात सुंदर काण्ड का संगीतमय पाठ संपन्न हुआ। उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए प्रांत संगठन मंत्री परमेश्वर कुमार एवं विधि प्रकोष्ठ के संयोजक अभय साही ने कहा कि भगवान श्री राम के चरित्र को प्रत्येक हिंदुओं को अपने अंदर समाहित करने की आवश्यकता है। सहनशीलता व धैर्य भगवान राम का प्रमुख गुण है वोदयालु स्वभाव के थे साथ हर जाति हर वर्ग के व्यक्तियों के साथ भगवान राम ने मित्रता की उनके अंदर बेहतर नेतृत्व क्षमता थी। भगवान राम ने विषम परिस्थितियों में भी स्थिति पर नियंत्रण रख सफलता प्राप्त की उन्होंने हमेशा वेदों और मर्यादा का पालन किया। स्वयं के सुखों से समझौता कर उन्होंने न्याय और सत्य का साथ दिया जिनकी वजह से उनका जीवन सफल हुआ और वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाएं। उन्होंने आगे बताया कि विश्व हिंदू परिषद ने भगवान श्रीराम के मूल्यों को स्थापित करने के लिए वर्षों से संघर्ष किया और उसका प्रतिफल राम की भगवान श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है आने वाले समय में हम सब वहां दर्शन प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत प्रचार प्रमुख दुर्गेश त्रिपाठी एडवोकेट पी के दुबे देवीलाल गुप्ता विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सर्वेश शाही सुनील मिश्रा आशुतोष श्रीवास्तव रीतू सिंह अभिलाषा त्रिपाठी विश्वजीत शाही जिला उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज पांडे पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष वीरेंद्र शाही ब्रह्मदेव शांभवी नंदन पांडे जीराजेश पांडे करुणा रावत और गीता पांडे दीप्ति गुप्ता वंदना मौर्य सुप्रभात द्विवेदी अनीता पासवान कुमारी सुमन छमा राय प्रवीण अजय मिश्रा रमेश दुबे मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 2 लोग जख्मी

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव की नहर पुलिया के पास मंगलवार की देर शाम नशे में धुत एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक युवक को टक्कर मार दी। जिससे उसका दोनों पैर टूट गया। और वह खुद भी गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पोटरिया गांव निवासी वीरेंद्र कुमार गांव की नहर पुलिया के पास जपटापुर - पोटरिया मार्ग पर सड़क के किनारे खड़ा था।इसी दौरान खेतासराय थाना क्षेत्र के बरजी गांव निवासी दिवाकर नशे में धुत होकर तेज बाइक चलाते हुए घर लौट रहा था।और उसने वीरेंद्र पर बाइक चढ़ा दी। जिससे उसका दोनों पैर टूट गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।तेज रफ्तार बाइक चालक भी असंतुल्त होकर गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। ग्रामीण दोनों को गंभीर हालत में नजदीक के एक चिकित्सक के यहां ले गए। चिकित्सक ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है। जहां दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत से छुट्टा पशुओं को पकड़ भेजा गया गौशाला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जखनिया क्षेत्र के धामुपुर गांव से बुधवार की सुबह से लेकर दोपहर तक बेसहारा मवेशियों को पकड़ने का निर्देश जखनिया खंड विकास अधिकारी ने दिया। जिसके बाद सफाई कर्मचारी और विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों की मदद से 20 पशुओं को पकड़ा और गोवंश आश्रय स्थल ले जाया गया। धामुपुर, चकमकपूर, एवं ददरा, झोटारी, मोलनापुर गांव में बेसहारा पशु किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे थे। इससे परेशान गांव के किसानों ने धामुपुर गांव के समाजसेवी अनिकेत चौहान से शिकायत की। जिसके बाद समाजसेवी अनिकेत चौहान ने ट्विटर के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गाजीपुर तथा जिलाधिकारी को ट्वीट किया गया जिसके 3 दिन बाद हरकत में आए विभाग अधिकारियो में हड़कंप मच गया। परिणामस्वरूप आज ही खंड विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान व सचिव ने मौके पर पहुंच कर छूटा पशुओं को पकड़वा कर गौवंश आश्रय स्थल पर भेजा। समाजसेवी के शिकायत पर सक्रिय हुई खंड विकास के कर्मचारी की टीम ने धामुपुर, चकमकपूर, एवं ददरा, झोटारी, मोलनापुर गांव में गांव क्षेत्र में घूम रहे करीब 20 गोवंश को ग्रामीणों की सहायता से पकड़ने में सफलता हासिल की। ग्राम प्रधान सिकानू राम ने बताया कि चकमकपुर गांव से पांच गोवंश में और धामुपुर से 10 और गांव से 5 गोवंश पकड़े गए है। जिसे गोवंश आश्रय स्थल बेलहरा जखानिया भेजा गया है। उन्होंने चेताया कि पशु पालक अपने पशुओं को छुट्टा न छोड़े अन्यथा पकड़े जाने पर जुमार्ना वसूला जाएगा। इस अवसर पर ग्राम सचिव राजकमल गौरव सफाई कर्मचारी धनंजय कुमार, धर्मेंद्र चौहान गांव श्रवण सिंह, शिवमुरत यादव, चंदन , नीरज, श्यामनारायण, धर्मराज,राधेश्याम समाजसेवी अनिकेत चौहान आदि मौजूद रहे।

महर्षि कश्यप व श्रृंगवेरपुर राजा महाराजा निषादराज की जयंती जिलाध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल के अध्यक्षता में मनाई गई

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सृष्टि निमार्ता महर्षि कश्यप व श्रृंगवेरपुर राजा महाराजा निषादराज की जयंती के कार्यक्रम जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्यक्षता मे मनाई गई ।

डॉ. पाल ने कहा कि महर्षि कश्यप ने अखण्ड तप, अलौकिक ज्ञान, धर्मनिष्ठा, परोपकारिता, अद्भुत तेज आदि समस्त लोकों में गुंजायमान था व बाल सखा श्रृंगवेरपुर राजा महाराजा ने प्रभु श्रीराम से मित्रता को युगों-युगों के लिए सार्थक किया वहीं आज भाजपा सरकार ने इस देश में ऐसा राजा बनाया है जो अपने मित्र अडानी को मजबूत बनाने के लिए देश की प्रजा के हक अधिकार सरकारी संपत्ति को उन्हें बेचकर उनसे मित्रता निभाने का काम कर रहें हैं ऐसे मे हम समाजवादी लोगों की जिम्मेदारी है कि ऐसी मित्रता को जो देश को बेचकर निभाते हैं उस राजा को देश से हटाकर सही मित्रता वालें दोस्त को बैठाया जाऐ।

डॉ. पाल ने कहा कि अखिलेश यादव ने ही महर्षि कश्यप व महाराजा निषादराज गुह्य जी के जयंती पर अवकाश घोषित किया था। भाजपा सरकार ने अवकाश को निरस्त कर महापुरुषों को अपमानित करने का काम किया कार्यक्रम में चित्र के समक्ष जाति जनगणना कराने की मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजनरायन बिन्द, लालबहादुर यादव, यशवता यादव डां जितेंद्र यादव, राजन यादव श्याम बहादुर पाल, राजेन्द्र यादव,राहुल त्रिपाठी, राजकुमार बिन्द पूनम मौर्या,महेन्द्र यादव, श्रवण जयसवाल, हिरालाल विश्कर्मा, दीपचंद राम राजेश यादव, रमापति यादव, रुक्सार अहमद, दिनानाथ सिंह, श्याम नरायण बिन्द, अनवारुल हक, अनील दूबे, साजिद अलीम, इर्शाद मंसूरी, सोचनराम विश्कर्मा, सुभाष पाल मेवालाल गौतम, गजराज यादव, रमेश साहनी गप्पू मौर्या, निजामुद्दीन अंसारी, विरेंद्र यादव सोनी तारा त्रिपाठी रामेश्वर निषाद, विक्की यादव, अखिलेश यादव, मुकेश अबूसाद क्ष्मी शंकर यादव आदि लोगों उपस्थित रहे।

रमजान के मुबारक महीने मे हथकरघा बुनकरों ने ली लघु उद्योग भारती की सदस्यता : राजेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लघु उद्योग भारती काशी प्रांत के कबीरचौरा स्थित कार्यालय में हथकरघा बुनकरों की बैठक सम्पन्न हुई जिसमे काफी संख्या में बुनकरों ने भाग लिया और लघु उद्योग भारती के ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ की सदस्यता ग्रहण की` राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने बताया की संगठन का ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ कुटीर उद्यमियों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं को समय समय पर सभी फोरम पर उठाता रहा है और दूर करने का हर संभव प्रयास करता रहा है जिसके कारण आज वाराणसी जिले के बुनकरों, शिल्पियों, कुटीर उद्यमियों का संगठन पर विश्वास बढ़ा है सर्वेश श्रीवास्तव संयोजक ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ के नेतृत्व मे 21 हथकरघा बुनकरों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की है ` सदस्यता ग्रहण करने वाले बुनकर, शब्बीर अली, मुबारक अली, मकसूद, नूरुद्दीन,जफर इकबाल, सबीर अहमद, गोपाल पटेल,अवधेश कुशवाहा, दिलीप मौर्या, यूसुफ , सरफराज, सरताज इत्यादि थे।

संक्षिप्त खबरें

नील गायों का आतंक, किसान परेशान

प्रखर रानीपुर मऊ। स्थानीय विकास खंड के काझा,द्वारिकापुर, पड़री,बरवां के सीवान में किसानों की पकी फसल नील गायों के झुंड द्वारा रौंदे जाने से किसानों की कम होने कि नाम नहीं ले रही। किसानों के मुताबिक पहले खेतों में लगी हरी फसलों से दिन रात जागकर किसी की तरह से बचाया गया।उसके बाद प्राकृतिक आपदा जैसे बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि फसलों को नुकसान पहुंचा।और अब मड़ाई के लिए खेतों तैयार गेहूं जौ आदि की फसलों को नीलगायों के तहस नहस से बचाना परेशानी का सबब बना हुआ है। आवारा पशुओं और नीलगायों का झुंड दिन रात नुकसान पहुंचा रहा? है।पास पड़ोस के गांव में मड़ाई कार्य के चलते खाली हो रही सीवान से भागकर चारा और पानी की तलाश में भटक रहे हैं।साथ ही खेतों में पालतू पशुओं के लिए ?बोया गया हरा चारा और मूंग आदि की फसल हर दिन निराश्रित जानवरो की भेंट चढ़ रही हैं। किसान के लिए अन्न तथा पशुओं के लिए चारे का संकट किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दिया है। स्थानीय किसानों ने शासन प्रशासन से किसान हित में कदम पहले करते हुए समस्या समाधान की अपील किया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थरार्पार में चांदनी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से प्रेरणा कैंटीन का शुभारंभ

प्रखर गोरखपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत पाली ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थरार्पार में चांदनी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से प्रेरणा कैंटीन का शुभारंभ डॉक्टर सतीश सिंह (अधीक्षक) महोदय द्वारा किया गया। साथ ही बताया गया की कैंटीन के माध्यम से उत्तम भोजन की व्यवस्था होगी। इस प्रेरणा कैंटीन से चांदनी समूह की महिलाओं का आजीविका संवर्धन भी होगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम में चांदनी समूह से श्रीमती लालमती,श्रीमती रितु, श्रीमती कमलेश, श्रीमती सोभागी, श्रीमती बरतनी और समूह सखी श्रीमती सुमित्रा , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बीपीएम श्री, अभिनव प्रताप सिंह, आई ओ श्री चंद्रसेन पाठक, एच ई ओ श्री लोकेंद्र सोनी, बी ए एम श्री, विनय कुमार पांडेय और ब्लॉक मिशन प्रबंधक पवन यादव और पवन पांडेय की उपस्तिथि रही।

जिलाधिकारी के आदेश को ताक पर रख धड़ल्ले से चल रही हैं भूसा बनाने वाली मशीन

प्रखर गोरखपुर। खजनी क्षेत्र के खेतों में खड़ी फसल की आगजनी को देखते हुए जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश ने जहां 15 अप्रैल तक स्ट्रा रीपर (भूसा बनाने वाली मशीन) पर रोक लगा दी है,वही संचालक जिलाधिकारी के आदेश को ताक पर रख तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से भूसा बनाने वाली मशीन चला रहे हैं। बताते चलें कि मंगलवार लगभग सुबह लगभ 10 बजे बिगही के दक्षिण व डेवड़ार तुला के उत्तर एवं टिकरिया नाथ सिंह के पश्चिम सिवान में एक नहीं दो-दो भुसा बनाने वाली मशीन खेतों में चलती देखी गयी।ग्राम पंचायत खजूरी के दक्षिण एवं भेउसा ग्राम पंचायत के भैसहिया गांव के उत्तर सिवान में खेतों भूसा बनाने वाली मशीन चल रही थी।इस संबंध में उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ पाठक ने कहा कि तहसील क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों एवं चौंकी इंचार्जों को निर्देश दिया गया है कि रोक के बावजूद अगर तहसील क्षेत्र खेतो में भूसा मशीन चलती दिखाई दें तो संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जारी कर दिया गया है।

कुदारन नहर में गिर रही नाली पर मिट्टी डालकर किया जा अतिक्रमण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग के किनारे स्थित कुदारन गांव के पास से गई हुसैनपुर बीयर से पौनी के लिए गई नहर में उसके किनारे गिर रही नाली पर मिट्टी डालकर धड़ल्ले से अतिक्रमण किया जा रहा है जिसकी शिकायत मंगलवार को स्थानीय लोगों ने जब उच्चाधिकारियों से किया तो विभाग के लोग हरकत में आ गए लेकिन कार्रवाई के नाम पर ढाक के तीन पात वाली कहावत देखने को मिल रही है। एक तरफ प्रदेश की सरकार नहर की पटरी पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चला रही है और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि नहर की पटरी पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए । वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों की आंखों के सामने अतिक्रमण किया जा रहा है। और सिंचाई विभाग के अधिकारी सब कुछ देखते हुए भी अंजा हुए कुदारन हैं। कुछ ऐसा ही देखने को में मिल रहा है यहां भागवत ब्रांच की नहर में खुलेआम स्थानीय लोगों द्वारा मिट्टी डालकर अतिक्रमण किया जा रहा है। विभाग के अधिकारी देखने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे जिसकी चर्चा स्थानीय लोगों में जोरों पर है। स्थानीय अधिकारियों के कार्रवाई न करने पर मंगलवार को स्थानीय लोगों ने उच्चाधिकारियों से प्रकरण की शिकायत किया तो उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप पर विभाग हरकत में आया लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी । इस संबंध में सिंचाई विभाग के जेई आनंद कुमार बिंद ने बताया कि मामला संज्ञान में है सींचपाल को मौके पर भेजा गया है जो मिट्टी डाला गया है उसको हटवा दिया जाएगा।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं